RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार , 22 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 122 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नीट की लड़ाई राहुल गांधी पीएम आवास तक लें पहुंचे

राहुल गांधी को पुलिस ने जबरन धरनास्थल से उठाया, तस्वीर में नाक से बहता दिखा खून, पीएम आवास के बाहर डिटेन करने गई पुलिस तो लेट गए राहुल, कहा- लोकतंत्र खत्म

नई दिल्ली/एजेंसी

पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया है। सरकार ने 3 घंटे के धरने में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने घेरा बना लिया और राहुल तक पहुंचने नहीं दिया। कांग्रेसियों और पुलिस के बीच आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आखिर में 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी उन्हें उठाकर ले गए और बस में बैठाया। जिस वक्त राहुल गांधी को उठाया जा रहा था, उनके साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी थे। पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की। सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि नीट पर संसद में चर्चा हो।

नीट पर संसद में चर्चा की मांग सरकार ने स्वीकार की, राहुल पर लगाया बात से मुकरने का आरोप

राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं। पहली- नीट पर संसद में चर्चा, दूसरी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा। राहुल गांधी, प्रियंका, चरणजीत चन्नी समेत कांग्रेसी पीएम और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगा रहे थे। वहीं पुलिस राहुल गांधी से धरने वाली जगह से हटने की अपील कर रही थी, लेकिन राहुल ने उन्हें अपने बंधे हुए हाथ दिखा दिए। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रदर्शन के दौरान सांकेतिक रूप से अपने हाथ बांध रखे थे।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को गाड़ियों में जबरन बैठाया है। इन्हें कहां लेकर गए, इसकी जानकारी नहीं है।

राहुल की नाक पर चोट का निशान

पुलिस जब राहुल को उठाकर ले जा रही थी, तब उनकी नाक पर चोट का निशान भी दिखा। प्रधानमंत्री आवास के नजदीक प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद केन्द्रीय मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने आरोप लगाया है कि नेता प्रतिपक्ष अपनी बात से मुकर गए हैं। उन्होंने पहले कहा था कि संसद में नीट पर चर्चा की मांग स्वीकार करने पर वे प्रदर्शन समाप्त कर देंगे लेकिन यह बात मान लेने के बावजूद उन्होंने प्रदर्शन समाप्त नहीं किया।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार नीट और उससे संबंधित आंदोलन के साथ जुड़े सभी विषयों पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार है। इसके विपरीत कांग्रेस पार्टी ने आजतक इस गंभीर विषय पर नियमानुसार औपचारिक चर्चा करने का कोई नोटिस नहीं दिया। राहुल गांधी का व्यवहार लोकतंत्र के ऊसूलों से मेल नहीं खाता है।

राहुल गांधी ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता अकस्मात अकबर रोड के समीप अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठे थे। सरकार ने उन्हें और केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को वरिष्ठ नेताओं से वार्ता के लिए भेजा था। राहुल गांधी ने पहले संसद में नीट और उससे संबंधित आंदोलन के साथ जुड़े सभी विषयों पर चर्चा करने की मांग की और धरना तुरंत समाप्त करने का आश्वासन दिया। उनकी बात मान लेने के बाद उन्होंने कहा कि वह इतने पर ही नहीं मानेंगे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

राहुल ने जमीन पर लेट मीडिया को दी बाइट; कहा- लोकतंत्र खत्म

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर जमकर प्रदर्शन किया है। छात्रों के मुद्दे पर प्रदर्शन की अगुवाई राहुल गांधी ने की। इस बीच केंद्र मंत्री जितेंद्र सिंह ने उनसे मुलाकात की। मुलाकात के कुछ देर के बाद दिल्ली पुलिस ने मौके पर मौजूद सभी कांग्रेस सांसदों और नेताओं को हिरासत में ले लिया। इन सबके बीच एक ऐसा नजारा सामने आया जो मीडिया में चर्चा का विषय बन गया। दरअसल जब दिल्ली पुलिस के जवान राहुल गांधी को हिरासत में लेकर जाने लगे तो वो जमीन पर लेट गए और अपना विरोध जारी रखा। इतना ही नहीं उन्होंने मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब भी देते रहे। इस बीच उन्हें कहा कि इस देश में लोकतंत्र खत्म हो गया। कांग्रेस का कहना है कि छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। सरकार को इस पूरे मामले पर जवाब देना होगा। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने कई कांग्रेस सांसदों और नेताओं को हिरासत में लिया, जिसके बाद माहौल और गर्म हो गया।

राहुल के साथ-साथ प्रियंका भी हुई डिटेन

कांग्रेस नेताओं ने पहले राजाजी मार्ग से प्रधानमंत्री आवास की ओर पैदल मार्च निकाला। राहुल गांधी ने इस मार्च को लेकर एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। प्रदर्शन में मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल और पवन खेड़ा समेत कई नेता शामिल थे। आपको बता दें कि प्रियंका गांधी को भी डिटेन किया गया है।

गृह मंत्री संसद में दे बयान

कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री के दावों से अलग अपना पक्ष रखा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष की स्पष्ट मांग है कि गृह मंत्री संसद में इस पूरे मामले पर बयान दें और विस्तृत चर्चा कराई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र और संविधान की अनदेखी हो रही है और छात्रों के साथ अन्याय किया जा रहा है। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस पिछले 45 दिनों से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है।

विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के मानसून सत्र का दूसरा दिन भी विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। दोनों सदनों में मंगलवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा जारी रखा जिससे सदन की कार्यवाही कई बार बाधित होने के बाद बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा की कार्यवाही आज पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा जिसके कारण कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा की कार्यवाही दो बजे फिर शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने सदस्यों से सदन की मयार्दा बनाए रखने और अपने-अपने स्थान पर बैठने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियम 377 के तहत सदस्यों को जनहित के मुद्दे सदन के पटल पर रखने दिया जाए। इसके लिए करीब 20 मिनट का समय भी दिया गया। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। पीठासीन अधिकारी ने कई बार शांति बनाए रखने और सदन चलने देने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमा।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

डीएम ने संभावित बाढ़ के दृष्टिगत कुबरी घाट एवं कालेश्वर घाट का किया भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नाव पर क्षमता से अधिक लोगों को न बैठाने एवं सभी के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज संभावित बाढ़ के दृष्टिगत कुबरी घाट एवं कालेश्वर घाट का भ्रमण कर आमजन की सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी सिराथू प्रमेश श्रीवास्तव एवं अधिशासी अधिकारी,दारानगर को निर्देशित किया कि घाटों पर आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग एवं जेटी की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने नाव संचालन की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में नाव पर निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को न बैठाया जाए तथा सभी के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य रूप से

सुनिश्चित कराई जाए, बिना लाइफ जैकेट के किसी भी व्यक्ति को नाव पर यात्रा करने की अनुमति न दी जाए।

जिलाधिकारी ने घाटों पर स्थापित सी.सी.टी.वी. कैमरों की क्रियाशीलता निरंतर बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि संवेदनशील स्थानों पर नियमित निगरानी रखी जाए।

उन्होंने उप जिलाधिकारी, थाना प्रभारी एवं अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि पब्लिक एड्रेस (पी.ए.) सिस्टम के माध्यम से लगातार लोगों को जागरूक किया जाय कि गहरे पानी में न जाए। इसके साथ ही सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, चेतावनी संकेतक एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कराई जाएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए। ऐसी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना अथवा किसी के डूबने की घटना न होने पाए।

एसपी द्वारा उपनिरीक्षक पद पर चयनित महिला एवं पुरुष आरक्षियों को दी गई शुभकामनाएं

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा पुलिस कार्यालय में जनपद के विभिन्न थाना/कार्यालयों में तैनात महिला एवं पुरुष आरक्षियों, जिनका चयन उपनिरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) के पद पर हुआ है, को माला पहनाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।
इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह सफलता सभी चयनित महिला एवं पुरुष आरक्षियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन, लगन एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है। उन्होंने सभी को अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी, निष्पक्षता एवं समर्पण के साथ करते हुए आमजन की सेवा एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की गरिमा को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया।

आपसी मनमुटाव को भुलाकर एक दम्पति साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यू मांगलिक महोदय के कुशल निर्देशन में महिला सहायता प्रकोष्ठ/परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन, जनपद फतेहपुर में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर श्रीमती कविता रस्तोगी जी द्वारा प्रकरण में समझौता कराया गया व सहयोगार्थ म0आ0 अनीता मिश्रा मौजूद रहीं।

बिंदकी साइबर द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार पीड़ित के खाते में 38 हजार रुपये वापस कराए गए

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी बिंदकी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बिंदकी साइबर टीम द्वारा साइबर शिकायत संख्या 33109240110504 पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए मंगलवार को साइबर ठगी के शिकार पीड़ित मो0 जुनैद पुत्र मो0 सलीम निवासी मो0 मुगलाही कस्बा व थाना बिंदकी जनपद फतेहपुर के खाते में साइबर फ्रॉड के 38,000/- रुपये वापस कराए गए।

पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को थाना ललौली पुलिस द्वारा थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर से संबंधित वारंटी अभियुक्त जगमोहन यादव पुत्र रज्जन निवासी विजय नगर कस्बा बहुआ थाना ललौली जनपद फतेहपुर उम्र करीब 33 वर्ष को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।
गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
उ0नि0 अरूण कुमार मौर्या. का0 दीपक गुप्ता।

हजारों किसानों ने कमिश्नरी घेरा, सौंपा मांगपत्र

भाकियू (अराजनैतिक) की मंडल स्तरीय किसान पंचायत में भूमि माफिया पर कार्रवाई, खाद की कालाबाजारी रोकने और सिंचाई व्यवस्था सुधारने समेत कई मांगें उठीं

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की ओर से मंगलवार को कमिश्नरी कार्यालय और कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में मंडल स्तरीय किसान पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में प्रयागराज मंडल के विभिन्न जिलों से पहुंचे हजारों किसानों ने भाग लिया।
इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को सौंपा गया।
ज्ञापन में भूमि माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का निस्तारण, सूखी नहरों में पानी छोड़े जाने, नहरों की सफाई, नए पशु बाड़ों का निर्माण, धारा-24 के लंबित मामलों की पैमाइश, झोलाछाप पशु चिकित्सकों पर कार्रवाई, डीएपी व यूरिया की कालाबाजारी रोकने, निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर खाद बेचने वालों पर कार्रवाई तथा फर्जी मेडिकल बनाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की गई।
पंचायत का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे, युवा किसान नेता अंकित सिंह चौहान और जिला अध्यक्ष शनि शुक्ला ने किया। इस दौरान कौशांबी, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिजार्पुर समेत मंडल के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।
संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर किसान पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान भूमि माफिया के खिलाफ प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई के लिए अधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया गया।

हथगांव पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट थाना हथगांव जनपद फतेहपुर से संबंधित वारंटी अभियुक्त रावेन्द्र सिंह यादव पुत्र नागेन्द्र सिंह निवासी ग्राम प्रयागदासपुर थाना हथगांव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 35 वर्ष को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। 10 जुलाई को थाना सैनी पर एक वादी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री घर से कही चली गयी है काफी खोजबीन के बाद भी वह नहीं मिली, मुझे शक है कि आरोपी नीरज पुत्र अशोक मेरी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सैनी पर तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में मंगलवार को थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त आदर्श उर्फ नीरज पुत्र अशोक निवासी ग्राम सयारा मीठेपुर थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को सिराथू रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है एवं पीड़िता को सकुशल बरामद किया गया ।

हत्या एवं पॉक्सो मामले के दोषी को आजीवन कारावास की सजा, 76 हजार रुपये का अर्थदंड

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित दारागंज थाने की पुलिस टीम के द्वारा प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने मंगलवार को हत्या एवं पास्को एक्ट मामले के दोषी को आजीवन कारावास की सजा एवं 76 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया । यह जानकारी पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने दी।
उन्होंने बताया कि नगर के दारागंज थाने में वर्ष 2015 में धारा 326ए, 354ए, 307, 302 भादवि, धारा 11(1)/12 पॉक्सो एक्ट एवं धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट) में उक्त थाना क्षेत्र के झोपड़पट्टी पूरा पड़ाइन निवासी विक्की पुत्र मुन्ना यादव

के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मुकदमा की पैरवी करने के लिए एडीजीसी के.एन. सिंह, मॉनीटरिंग सेल के उपनिरीक्षक रामनरेश सिंह, कोर्ट मोहर्रिर महिला कांस्टेबल सावित्री तथा थाना दारागंज के कांस्टेबल आकाश कुमार को लगाया गया। पूरी टीम ने प्रभावी ढंग से पैरवी किया। परिणामस्वरुप विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कक्ष संख्या-03, प्रयागराज ने मंगलवार को (धारा 326ए, 354ए, 307, 302 भादवि, धारा 11(1)/12 पॉक्सो एक्ट एवं धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट) में सुनवाई पूरी करते हुए अभियुक्त विक्की, पुत्र मुन्ना यादव, को दोषी करार दिया।
न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 354 भादवि में एक वर्ष के कठोर कारावास एवं एक हजार रुपये, धारा 302 भादवि में सश्रम आजीवन कारावास एवं 50 हजार रुपये, धारा 11(1)/12 पॉक्सो एक्ट में तीन वर्ष के कठोर कारावास एवं पांच हजार रुपये तथा धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट में कठोर आजीवन कारावास एवं 20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

चोरी की घटनाओं का खुलासा,अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से तमंचा, कारतूस व रुपए बरामद

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। 31 मई को थाना कोखराज पर वादी लवकुश कुमार पुत्र सुन्दर लाल निवासी मलाक भायल थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी रात्रि में अज्ञात चोरो द्वारा घर से घुसकर रुपए, गहने व मोबाइल चोरी कर लिया गया है । 10 मई 2026 को मन्दिर से घण्टा चोरी के सम्बन्ध में थाना कोखराज पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था । उक्त घटनाओं से सम्बन्धित 01 अभियुक्त अंकित कुमार को दिनांक 11.06.2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है ।
मंगलवार को थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त अमित उर्फ छोटू पुत्र छेदीलाल निवासी अर्का महाबीरपुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी को रोही ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 2850 रुपये बरामद किया ।

जीआरपी मुख्यालय में 'भूजल सप्ताह' पर दिलाई गई जल संरक्षण की शपथ

हनुमान प्रसाद शुक्ल
लखनऊ। "भूजल सप्ताह" 16 से 22 जुलाई 2026 के अंतर्गत मंगलवार को जीआरपी मुख्यालय, लखनऊ में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (रेलवे) प्रकाश डी. ने मुख्यालय में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल के संचयन, संरक्षण तथा उसके विवेकपूर्ण उपयोग की "जल संरक्षण शपथ" दिलाई। उन्होंने सभी से दैनिक जीवन में जल बचाने तथा भूजल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।
कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक (रेलवे) लखनऊ आर. के. भारद्वाज, स्टाफ ऑफिसर एवं अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सहित जीआरपी मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के गिरफ्तारी व बदसलूकी के खिलाफ कौशाम्बी कांग्रेस में उबाल

कल मंझनपुर में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । दिल्ली में पीएम हाउस के बाहर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व प्रियंका गांधी धरने पे बैठे जिसके बाद उन्हें बर्बरतापूर्वक गिरफ्तार किया इसके बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय को गिरफ्तार कर लिया इस जानकारी के बाद जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि हमारे नेता राहुल गांधी जो कि कल दिल्ली जंतर मंतर पर छात्र धरने पर बैठे थे।

उन्हें भाजपा सरकार के इशारे

पर लाठी डंडों से पीट कर घायल किया गया उसी के विरोध में छात्र हित के लिए वो शांति पूर्वक पीएम हाउस के बाहर धरने पर बैठे थे ।

लेकिन मोदी सरकार ने हमारे नेताओं के साथ बर्बरता और बदसलूकी की जिसका हम कांग्रेसजन कल मंझनपुर में जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे और इस सरकार को बताएंगे कि हम अपने नेता और देश लिए किसी भी प्रकार का संघर्ष करने को तैयार हैं क्रमशः आज कौशाम्बी कांग्रेस से बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता लखनऊ कूंच करेंगे।

संदीपनघाट पुलिस द्वारा चोरी का आरोपी गिरफ्तार, कब्जे चोरी का सामान व नगदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। दस जुलाई को थाना संदीपनघाट पर वादी मो0 आसिफ पुत्र नजर मोहम्मद निवासी मलाक भायल थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी वह अपनी गाड़ी रोड़ के किनारे खड़ी करके चाय पीने चला गया, तभी अज्ञात चोर द्वारा गाड़ी में रखा मोबाइल, पर्स व 1500 रू0 चोरी कर लिया गया है ।
थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी/सर्विलांस की मदद से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्त अयाज पुत्र असलम निवासी महगांव थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को मुखबिर खास की सूचना के आधार पर ग्रीनसिटी के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी का मोटोरोला फोन, एक अदद पर्स, आधार कार्ड, 1000 रुपये बरामद किया ।

19 साल पुराने हत्या कांड में दोषी को उम्रकैद

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी का असर, 20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। कमिश्नरेट पुलिस की प्रभावी पैरवी और "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत 19 वर्ष पुराने हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।
मंगलवार को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कक्ष संख्या-2, प्रयागराज की अदालत ने थाना बहरिया में वर्ष 2007 में दर्ज मुकदमा संख्या 164/2007, धारा 302/201 भादवि में आरोपी लालचन्द्र पटेल पुत्र स्व. कामता प्रसाद पटेल, निवासी शिवचरन का पूरा, थाना सोरांव को हत्या के अपराध में दोषी ठहराया। न्यायालय ने उसे धारा 302 भादवि के तहत कठोर आजीवन कारावास तथा 20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।
पुलिस के अनुसार, यह सफलता पुलिस महानिदेशक के "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त तथा डीसीपी गंगानगर के निर्देशन में गुणवत्तापूर्ण विवेचना और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी का परिणाम है।
इस मामले में एडीजीसी मनोज पाण्डेय, थाना बहरिया के थानाध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह, कोर्ट मोहर्रिर रूबी सिंह तथा पैरोकार हेड कांस्टेबल सुभाष निषाद ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर दोषसिद्धि सुनिश्चित कराई।

जिला अस्पताल में दिखी इंसानियत की मिसाल वृद्ध महिला की आंखों के आंसू देखकर भावुक हुए वीरेंद्र सरोज 'फौजी

निजी अस्पताल में इलाज का उठाया पूरा जिम्मा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनसेवा को अपना धर्म मानने वाले नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज 'फौजी' ने जिला अस्पताल में एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और मानवीय सोच का परिचय दिया। वार्ड नंबर 4, अब्दुल कलाम आजाद नगर निवासी संतोष केसरवानी की नातिन के अस्वस्थ होने की सूचना पर वह जिला अस्पताल पहुंचे और बच्ची का कुशलक्षेम जानकर परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।इसी दौरान अस्पताल में भर्ती चारवा क्षेत्र के बिरौली गांव की वृद्ध महिला मीरा ने जैसे ही वीरेंद्र सरोज 'फौजी' को देखा, वह भावुक होकर रोने लगी। महिला की स्थिति देखकर फौजी ने तुरंत चिकित्सकों से जानकारी ली और बिना देर किए अपने निजी वाहन

से उन्हें प्रयागराज के एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए भेजने की व्यवस्था कराई। इतना ही नहीं, उन्होंने महिला के पूरे उपचार का जिम्मा भी अपने ऊपर लेते हुए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।फौजी ने अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनके इस मानवीय व्यवहार और त्वरित सहयोग की अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों और परिजनों ने सराहना की।इस अवसर पर जिला मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. हरी कुमार सिंह, चिकित्सकगण एवं सभासद अंशुल केसरवानी विजय तिवारी भी उपस्थित रहे।वीरेंद्र सरोज 'फौजी' ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने का वास्तविक अर्थ लोगों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा होना है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीज शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने परिवार के बीच लौटें।

अनुज सिंह के नेतृत्व में किसान सम्मान महापंचायत, ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे हजारों किसान

बिजली, खाद, मुआवजा व आवारा पशुओं समेत कई मुद्दे उठे, एक सप्ताह में समस्याओं के समाधान का प्रशासन ने दिया आश्वासन, नहीं तो व्यापक आंदोलन की चेतावनी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजाघर पर 'डेरा डालो, घेरा डालो किसान सम्मान महापंचायत' आयोजित की गई। महापंचायत में प्रयागराज के मेजा, कोरांव, बारा, करछना, फूलपुर, सोरांव, हंडिया, कौंधियारा, शंकरगढ़ समेत विभिन्न क्षेत्रों से हजारों किसान ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे। किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की।

महापंचायत में किसानों ने कहा कि खरीफ सीजन में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में 16 से 18 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा स्मार्ट मीटरों की तकनीकी जांच कराई जाए। ट्यूबवेल फीडरों से जुड़े गांवों को उपभोक्ता फीडर से जोड़ने, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और बार-बार होने वाली बिजली कटौती पर रोक लगाने की भी मांग की गई।

किसानों ने भूमि अधिग्रहण की स्थिति में पूर्व सर्किल रेट के आधार पर उचित मुआवजा देने, कृषि भूमि को ग्रीन बेल्ट घोषित करने की प्रक्रिया वापस लेने, आवारा पशुओं से फसलों की

सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था करने तथा प्रत्येक ब्लॉक में गौशालाओं का निर्माण कराने की मांग उठाई। शंकरगढ़ के सोनबरसा गांव में अधूरे पशुबाड़े को जल्द पूरा कराने और सभी ग्राम पंचायतों में पशु चिकित्सकों की नियुक्ति की भी मांग रखी गई। इसके अलावा नगर निगम सीमा में शामिल गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना लगाए गए हाउस टैक्स, सीवर टैक्स और जलकर वापस लेने की मांग भी किसानों ने प्रमुखता से उठाई।

महापंचायत के बाद भाकियू के प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम (प्रशासन), डीसीपी और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ वार्ता की। करीब हुई वार्ता में किसानों की सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रशासन ने सभी बिंदुओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन दिया।

महापंचायत को संबोधित करते हुए युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसानों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने तय समय में समस्याओं का समाधान नहीं किया तो संगठन किसानों के साथ मिलकर आगे की रणनीति बनाएगा और प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा।

स्कूल में भरा पानी पढ़ाई बंद

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया । विकास खण्ड के भरेहता बीरगंज में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र में बारिश का पानी भर जानें के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। बता दे की उच्च प्राथमिक विद्यालय भरेहता व आंगनबाड़ी केंद्र का जब से बाउंड्री बाल का निर्माण कराया गया है तब से ही थोड़ी ही बारिश में स्कूल का ग्राउंड पूरी तरीके से पानी भर जाता है और इसे सूखनें में कई दिन लग जाते हैं और अगर लगातार बारिश हो रही हैं तो इसे सूखनें में हफ्ता दस दिन से ज्यादा समय लग जाता है जिससे स्कूल में पढ़नें वालें बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इसकी शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों से की गई है लेकिन स्कूल से पानी निकालनें का कोई उचित व्यवस्था नहीं करायी गई जिससे पूरे स्कूल प्रांगण में तालाब की तरह पानी भर जाता है और बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है।

झूंसी पुलिस द्वारा 2 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी प्रयागराज । डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य के निर्देश पर झूंसी पुलिस वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर दो वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई किया।

थानाध्यक्ष झूंसी महेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में वांछित चल आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर वांछित 2 अभियुक्तों विरेन्द्र यादव पुत्र रतिपाल यादव निवासी छिवैया थाना झूंसी जनपद प्रयागराज, बादल वर्मा पुत्र स्व0 मुन्नु लाल निवासी छिवैया थाना झूंसी जनपद प्रयागराज को उनके निवास स्थान ग्राम छिवैया थाना क्षेत्र झूंसी से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 जन्मेजय कुमार, चौकी प्रभारी छतनाग, का0 अभिषेक सिंह, थाना झूंसी कमिश्नरेट प्रयागराज ।

एटीएम मशीन में फंसा कार्ड, मदद के नाम पर ठगी शातिर चस्पा किये थे फर्जी हेल्पलाइन नंबर, फुटेज खंगाल रही पुलिस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। साइबर ठगों ने एटीएम पर फर्जी हेल्पलाइन नंबर चस्पा कर एक दंपती को अपना शिकार बना लिया। एटीएम में कार्ड फंसने पर मदद के लिए किए गए फोन के बाद ठगों ने कार्ड बदल लिया और खाते से ५१,५०० रुपये निकाल लिए। पीड़िता की तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बतादें कि नगर में इसके पहले भी ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं और कई मामलों का खुलासा भी हुआ है।

नीतू सिंह पत्नी रमेश बहादुर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ११ जुलाई को दोपहर बाद उनके पति रमेश बहादुर सिंह का एटीएम कार्ड जगराम चौराहे के पास स्थित एक एटीएम मशीन में फंस गया था। एटीएम मशीन पर एक कथित टोल प्रष्ठी नंबर चस्पा था। उस नंबर पर संपर्क करने पर फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंककर्मी बताते हुए कहा कि शाम ४:३० बजे बैंक की टीम आएगी और मोबाइल पर सूचना देकर कार्ड वापस कर दिया जाएगा। घर पहुंचने के कुछ देर बाद मोबाइल पर खाते से ५१,५०० रुपये निकाले जाने का संदेश मिला। इस पर वह दोबारा एटीएम पहुंचे तो वहां कार्ड भी गायब मिला। तब उन्हें एहसास हुआ कि ठग कार्ड बदलकर खाते से रकम निकाल चुके हैं। मामले में कर्नलगंज पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी, चोरी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस एटीएम के सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर साइबर ठगों की तलाश में जुटी है।

प्रयागराज जंक्शन पर 11 वर्षीय गुमशुदा बालक को जीआरपी ने 15 मिनट में सकुशल किया बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार को पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देश पर रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनों में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, बच्चों की अवैध तस्करी पर अंकुश, अपराधियों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी तथा मिशन शक्ति-5 के तहत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में जीआरपी प्रयागराज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 वर्षीय गुमशुदा बालक को मात्र 15 मिनट के भीतर

सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यशपाल गुप्ता पुत्र राजू गुप्ता निवासी शीशमहल चौक, थाना मुठ्ठीगंज, जनपद प्रयागराज ने थाना जीआरपी प्रयागराज पर सूचना दी कि उनका 11 वर्षीय भतीजा संस्कार गुप्ता पुत्र अविनाश गुप्ता निवासी मधुनगर, थाना सदर, जनपद आगरा घर से नाराज होकर प्रयागराज जंक्शन आ गया था, जो रेलवे स्टेशन परिसर से अचानक लापता हो गया। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका।

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम का गठन किया गया।

जीआरपी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन के पैसेंजर हॉल से गुमशुदा बालक संस्कार गुप्ता (उम्र 11 वर्ष) को सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक कार्रवाई के उपरांत बालक को उसके फूफा राजू गुप्ता पुत्र स्व. पुरुषोत्तमदास गुप्ता निवासी शीशमहल चौक, थाना मुठ्ठीगंज, जनपद प्रयागराज के सुपुर्द कर दिया गया। बालक के सकुशल मिलने पर परिजनों ने जीआरपी प्रयागराज पुलिस की त्वरित एवं सराहनीय कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया।

चलती मालगाड़ी पर पथराव का वायरल वीडियो पड़ा भारी, अज्ञात युवकों पर आरपीएफ ने दर्ज किया मुकदमा

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू, आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की तैयारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। चलती मालगाड़ी पर पथराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में रामबाग रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज कर दी गई है। अब आरपीएफ की विशेष टीम वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की तैयारी में जुटी है।

बताया गया कि बीते शनिवार को कुछ युवकों ने चलती मालगाड़ी पर पथराव किया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। रविवार को एक युवक ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वीडियो साझा कर रेलवे से शिकायत की थी। इसके बाद आरपीएफ ने मामले का संज्ञान लेते हुए वीडियो की सत्यता और घटना से जुड़े तथ्यों का सत्यापन कराया।

रामबाग आरपीएफ प्रभारी दयाशंकर यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान के लिए टीम गठित की गई है।

उनकी पहचान होते ही नियमानुसार गिरफ्तारी सहित आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रेनों पर पथराव जैसी घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

40 लाख की एफडी हड़पने का आरोप, मुंबई की फाइनेंस कंपनी के तीन निदेशकों पर मुकदमा

सेवानिवृत्त रेलकर्मी ने सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई एफआईआर, तय ब्याज घटाने और बेटी की शादी के लिए मांगी रकम लौटाने से इनकार का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुंबई की कथित प्राइवेट फाइनेंस कंपनी और उसके तीन निदेशकों पर सेवानिवृत्त रेलकर्मी के 40 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगा है। पीड़ित की तहरीर पर सिविल लाइंस थाने में कंपनी के तीनों निदेशकों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलवे के सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य अभियंता जगदीश चंद्र चौरसिया ने पुलिस को बताया कि उन्होंने नवंबर 2022 से जनवरी 2023 के बीच नवी मुंबई स्थित अपॉनली टेक्नोलॉजीज में तीन किश्तों में कुल 40 लाख रुपये एफडी के रूप में जमा किए थे। कंपनी ने 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में बिना सूचना एफडी प्रमाणपत्र में ब्याज दर घटाकर नौ प्रतिशत कर दी।

आरोप है कि फरवरी 2024 तक कंपनी ने 40 हजार रुपये प्रतिमाह ब्याज दिया, फिर इसे घटाकर 30 हजार रुपये कर दिया। बाद में टीडीएस कटौती का हवाला देकर केवल 27 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाने लगे। इसके बाद कई महीनों तक ब्याज का भुगतान भी आंशिक रूप से किया गया या पूरी तरह बंद कर दिया गया।

पीड़ित का आरोप है कि बेटी की शादी के लिए जब उन्होंने अपनी जमा पूंजी वापस मांगी तो कंपनी के निदेशक शंभू राय, धीरज सिंह और रोहित कुमार ने सात वर्ष की लॉक-इन अवधि का हवाला देते हुए रकम लौटाने से इनकार कर दिया। कई बार फोन, ई-मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद उन्होंने सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी, जिस पर तीनों निदेशकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

दिल्ली हिंसा की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई

नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने केन्द्र सरकार से किया मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने आज कहा कि जिस तरीके से दिल्ली में जंतर - मंतर पर प्रदर्शन हो रहा है और वह प्रदर्शन हिंसात्मक हो गया है... यह लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलने वाला भारतवर्ष है। यहां किसी प्रकार की हिंसा को सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुए हिंसात्मक प्रदर्शन की उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये।

स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने नीट सहित अन्य परीक्षाओं के मुद्दों और बेरोजगारी पर आप सरकार से मांग करें और आपका हक भी है लेकिन अगर आप लगातार "भारत तेरे टुकड़े होंगे", सनातन, "राम जी कौन, सीता का पति क्या कर लेगा", "भारत का पति खोज लाओ", "ब्राह्मणवाद मुदार्बाद", "अल्लाह बस तेरा नाम रहेगा"... यह प्रदर्शन है?

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन है कि आतंकवादी कार्रवाई है ? भारत भूमि पर किसी प्रकार का दुस्साहस अक्षम्य है, यह हम बता दे रहे हैं। हमारे शहीदों ने अपने खून से इस भूमि को सींचा है। महान शहीद चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस जैसे वीरों ने इस मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, तब यह भारत भूमि आजाद हुई है। और यह सनातन संस्कृति की भूमि है।

स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने कहा कि आप प्रदर्शन करो, कुछ भी करो, लेकिन अगर मातृभूमि की तरफ और धर्म की तरफ टिप्पणी करना बंद नहीं किए, तो आपको सबक सिखाने के लिए भारत का युवा, वह हिंदू आगे आएगा और तुमको सबक सिखा देगा। उन्होंने कहा कि यह कम्युनिस्ट विचारधारा मीडिया पर हमला करने से सही होगा, मीडिया पर हमला क्यों हो रहा है, चौथा स्तंभ है, आपकी भी बात पहुंचा रहा है, सरकार की भी। आप मीडिया के ऊपर हमला कर रहे हो, घसीट रहे हो, सुरक्षा में लगे हुए पुलिसकर्मियों को मार रहे हो, जो देश की सुरक्षा के लिए लगे हुए सेना के जवान हैं, उनको मार रहे हो? इतनी हिम्मत बढ़ गई आपकी, यह आपका प्रोटेस्ट नहीं है, यह भारत के खिलाफ अघोषित युद्ध है, जो शुरू हो गया है... और मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि तत्काल मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए और इसमें देखे कि विदेशी ताकतें इसमें पैसा दे रही हैं। जो पाकिस्तान और चीन जीत नही पाया, वह ऐसे छद्म रूप से युद्ध लड़ रहा है; जो अमेरिका नहीं जीत पाया वह कैसे और कौन जीत सकता है।

स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने कहा कि आप मान के चलिए, अगर आपने किसी प्रकार का दुस्साहस किया... प्रेमानंद जी ने आपका क्या किया है, आप कह रहे हो प्रेमानंद जी महाराज नहीं हैं, "मौसम भी मोदी की तरह बेईमान भगवान को बोल रहे हो"... क्या-क्या टिप्पणी है यह?

तो यह अक्षम्य अपराध है, यह क्षम्य नहीं है। अस्त्र-शास्त्र दोनों लेकर चलते हैं और मैं आवाहन करूँगा 13 अखाड़ों को आप तैयार रहिए! तनिक भी हमारी मातृभूमि के प्रति अगर आपने गलती की, तो फिर आपको समझा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर मांग का एक तरीका होता है लेकिन अगर आपने गलत तरीके से मातृभूमि के प्रति, राष्ट्र के प्रति, सनातन धर्म के प्रति किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया, तो यह अक्षम्य है और इसका जवाब देने के लिए हम सब लोग आगे आ रहे हैं।

सराफा कारोबारी लूटकांड का खुलासा, पांच बदमाश गिरफ्तार

धूमनगंज प्रभारी धनंजय पांडेय व पूरामुफ्ती प्रभारी अविनाश सिंह की टीम की कार्रवाई, छह जोड़ी बिछिया व 19 हजार नकद बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय और पूरामुफ्ती थाना प्रभारी अविनाश सिंह के नेतृत्व में, उपनिरीक्षक मनीष सिंह समेत संयुक्त पुलिस टीम ने सराफा कारोबारी से हुई लूट का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में वकास, दिलशाद, मोहम्मद अरमान, रिशू सोनी और सूरज वर्मा शामिल हैं। इनके कब्जे से लूट की छह जोड़ी चांदी की बिछिया, 19 हजार रुपये नकद, दो

एंड्रॉयड मोबाइल, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई को जयंतीपुर निवासी सराफा कारोबारी योगेश कुमार वर्मा से सुलेमसराय पेट्रोल पंप के सामने बैग लूट लिया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद धूमनगंज और पूरामुफ्ती पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच कर पांचों आरोपियों को नेहरू पार्क मैदान से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में वकास, दिलशाद और मोहम्मद अरमान ने स्वीकार किया कि बरामद नकदी का कुछ हिस्सा पूरामुफ्ती क्षेत्र में चोरी किए गए सामान को बेचकर मिला था। इसके आधार पर पुलिस ने पूरामुफ्ती थाने में दर्ज चोरी के मामले का भी खुलासा किया है।

पुलिस ने बताया कि दिलशाद के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि वकास पर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का मुकदमा भी दर्ज है। सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

श्रावण मेला व कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर डीसीपी गंगानगर ने की समीक्षा बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आगामी श्रावण मास मेला एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित त्रिवेणी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

पुलिस उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें। बैठक में अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर सहित गंगानगर परिक्षेत्र के सभी सहायक पुलिस आयुक्त उपस्थित रहे।

इफको फूलपुर में किसानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

इफको कॉर्डेड फूलपुर में किसानों का प्रशिक्षण हुआ आरम्भ

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको नैनो उर्वरकों के प्रयोग संबंधी तीन दिवसीय विशेष कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ।

मंगलवार को इफको कॉर्डेड फूलपुर में उन्नतसिल खेती के लिए किसानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण विभिन्न जनपदों के किसानों का प्रशिक्षण तीन दिवसीय शुभारंभ किया गया है जिसमे उत्तर प्रदेश राज्य के गोरखपुर ,कुशीनगर ,आजमगढ़, देवरिया, बलिया , मऊ और महाराजगंज जनपदों के कुल 58 कृषकों का इफको नैनो उर्वरकों (नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक, नैनो कापर) के संतुलित एवं कुशल उपयोग हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, मोतीलाल नेहरू फार्मर्स ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट कार्डेट फूलपुर में हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान कार्डेट फूलपुर के प्रधानाचार्य डॉ. विवेक दीक्षित ने आए हुए सभी कृषकों का स्वागत किया एवं उन्हें कार्डेट के एवं इफको के क्रियाकलापो से परिचित कराया। साथ ही यह जानकारी दी कि इस

तीन दिवसीय विशेष कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में मृदा परीक्षण की उपयोगिता, खरीफ फसलों में नैनो उर्वरकों तथा जैव उर्वरकों एवं इफको के अन्य उत्पादों के प्रयोग , मौन पालन , पशुपालन एवं आधुनिक कृषि में ड्रोन के महत्व जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। प्रधानाचार्य महोदय द्वारा उपस्थित कृषकों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए।

इसी क्रम में पैक्स सचिव वेलफेयर सोसाइटी लखनऊ उत्तर प्रदेश (आजमगढ़) के अध्यक्ष धनंजय सिंह, भूपेंद्रनाथ यादव,सचिव देवरिया , एवं कृषक राम आधार कुशवाहा , कुशीनगर ने नैनो उर्वरकों संबंधी अपने अनुभव साझा किये। उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्र में मृदा परीक्षण प्रभारी डॉ. हरिश्चंद्र ने संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं मृदा संरक्षण में मिट्टी जांच के महत्व को विस्तार से बताया, प्रभारी प्रशिक्षण मुकेश तिवारी ने नैनो उर्वरकों के प्रयोग की तकनीकी जानकारी सझा की तथा जैव उर्वरक उत्पादन इकाई प्रभारी डॉक्टर अनुराधा राय ने खरीफ फसलों में जैव उर्वरकों का सफलतापूर्वक प्रयोग कैसे करें विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित सभी कृषकों को कॉर्डेड की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया।

सभी कृषकों में हर्ष का माहौल रहा और उनके अंदर विभिन्न विषयों को जानने की जिज्ञासा भी रही।

संपादकीय

केरल में नशे का फैलता जाल और उससे जंग

पिछले कुछ वर्षों में केरल में ऐसे युवाओं की संख्या लगातार बढ़ी है, जो स्वयं नशीले पदार्थों के आदी हैं और प्रतिबंधित मादक एवं मनोत्तेजक पदार्थों की तस्करी में भी शामिल हो रहे हैं। लगभग एक दशक पहले शराब पर नियंत्रण और प्रतिबंध संबंधी नीतियों के बाद राज्य में ड्रग्स की ओर बढ़ते रुझान के संकेत स्पष्ट होने लगे थे। लेकिन अब समस्या और गंभीर हो गई है, क्योंकि सिंथेटिक ड्रग्स के तस्कर कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस जानलेवा लत का दायरा अब दक्षिण भारत के अन्य राज्यों तक भी फैलने लगा है।

रोजगार महत्वपूर्ण है, लेकिन युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए समय पर रोजगार उससे भी अधिक जरूरी है। जब युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, तो वे भटकने लगते हैं। इसी भटकाव के दौरान उनका सामना ड्रग्स तस्करों से हो जाता है। ड्रग माफिया की कार्यप्रणाली के अनुसार पहले बेरोजगार और भटकते युवाओं को अच्छी नौकरी का लालच दिया जाता है।

इसके बाद असली खेल शुरू होता है। उन्हें कूरियर जैसी डिलीवरी का काम सौंपा जाता है, जिसके बदले उन्हें पैसे मिलने लगते हैं। धीरे-धीरे वे स्वयं भी नशे के आदी बन जाते हैं। यहीं से एक खतरनाक दुष्चक्र की शुरूआत होती है।

कोविड-19 प्रभावित वर्ष 2020-21 के दौरान राज्य में एनडीपीएस कानून के तहत दर्ज मामलों की संख्या में कमी आई थी, लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़कर 26,619 हो गई, जबकि 2021 में यह 5,695 थी। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा फिर बढ़कर 36,314 तक पहुंच गया। इस दौरान बड़ी मात्रा में तस्करी किए गए मादक पदार्थ भी जब्त किए गए। राज्य की व्यापारिक राजधानी एनार्कुलम इस समस्या का प्रमुख केंद्र बनी हुई है।

कई एजेंसियों के प्रयासों के बावजूद सफलता सीमित रही है। यूडीएफ सरकार ने जून में 'ऑपरेशन तूफान' शुरू कर अपने ड्रग विरोधी अभियान को अधिक संगठित और समन्वित बनाने का प्रयास किया। इस पहल के तहत राज्य पुलिस ने दक्षिण भारत के अन्य राज्यों की पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों तथा राज्य के शिक्षा, स्वास्थ्य और आबकारी विभागों के साथ मिलकर काम किया। इसके बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। दूसरी ओर ड्रग माफिया भारी मुनाफा कमा रहे हैं और उनका भूमिगत नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। सरकार की कार्रवाई कछुए की गति से चल रही है, जबकि ड्रग माफिया चीते की रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं।

एक समय पंजाब की भी यही स्थिति थी। आज पंजाब में रासायनिक उर्वरकों से उगाए गए गेहूं के कारण कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है और बड़ी संख्या में युवा ड्रग्स के जाल में फंस चुके हैं। समन्वित कार्रवाई, जनभागीदारी, नशा पीड़ितों के पुनर्वास तथा त्वरित एवं प्रभावी अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए केरल सरकार ने 15 जुलाई तक लगभग 7,100 मामलों में 7,600 से अधिक ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है।

इनमें अधिकांश बरामदगी सिंथेटिक मादक पदार्थों की रही। चूंकि फोरेंसिक जांच में देरी के कारण कई बार मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की सुनवाई प्रभावित होती है, इसलिए वर्तमान अभियान में इस पहलू पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मादक पदार्थों के तस्करों का नेटवर्क इतना जटिल होता है कि जांच प्रायः केवल छोटे अपराधियों तक ही सीमित रह जाती है। सरकार अब जांच एजेंसियों और समाज को 'तूफान योद्धा' के रूप में एकजुट करने का प्रयास कर रही है। साथ ही इस अभियान का उद्देश्य ठउडफऊ ढांचे के अंतर्गत राष्ट्रीय खुफिया सूचना साझा करने और समन्वय प्रणाली को मजबूत करना है, जिसमें गिरफ्तार नार्को अपराधियों के ठक-ऊअठ डेटाबेस का भी उपयोग किया जा रहा है। विभिन्न खुफिया एजेंसियां भी सरकार को छापेमारी और गिरफ्तारियों में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही हैं।

एथेनॉल, तर्क और ऑटो-पायलट समाज

डॉ रामानुज पाठक सतना (म.प्र.)

रसायन विज्ञान का दुर्भाग्य देखिए। उसने वर्षों की मेहनत से परमाणुओं को जोड़कर अणु बनाए, सूत्र लिखे, अभिक्रियाएँ समझाईं; और समाज ने उसकी सारी विद्वता को एक व्हाट्सऐप पोस्ट में समेट दिया–"एथेनॉल और दारू एक ही चीज हैं!"

विज्ञान शायद पहली बार सोच रहा होगा–"काश! मैंने इतने सरल सूत्र कभी बनाए ही न होते।"

आखिर किसी भी वैज्ञानिक ने यह कहाँ लिखा है कि यदि दो वस्तुओं का रासायनिक सूत्र एक हो, तो उनका सामाजिक, नैतिक और सांस्कृतिक अर्थ भी एक ही हो जाएगा?

यदि ऐसा होता, तो फिर अस्पताल और शराबखाना दोनों को "स्वास्थ्य केंद्र" घोषित कर देना चाहिए, क्योंकि दोनों जगह एथेनॉल मिल जाता है। एक जगह घाव साफ करने के लिए, दूसरी जगह कई लोग अपना भविष्य साफ करने के लिए।

विज्ञान पदार्थ की पहचान करता है, व्यवहार की नहीं।

रसायन विज्ञान अणुओं का चरित्र बताता है, मनुष्य का नहीं।

यही वह अंतर है जिसे सोशल मीडिया ने सबसे पहले कुचल दिया।

सूत्रों का भी लोकतंत्र होता है और तर्क की भी तानाशाही होती है।

आजकल आधा ज्ञान सबसे बड़ा लोकतांत्रिक हथियार बन चुका है।

किसी ने आवर्त सारणी का आधा पन्ना पढ़ लिया, तो वह न्यूटन के सामने गुरुत्वाकर्षण पर बहस करने को तैयार है। किसी ने गूगल पर "एथेनॉल फॉर्मूला" खोज लिया, तो उसे लगता है कि अब चिकित्सा विज्ञान, समाजशास्त्र और नैतिक दर्शन सब उसके सामने नतमस्तक हो जाएँ।

हमारे समय की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं कि लोग कम पढ़ते हैं; बल्कि यह है कि वे थोड़ा पढ़कर सब कुछ जान लेने का भ्रम पाल लेते हैं।

ज्ञान कभी अहंकार नहीं देता, अधूरा ज्ञान अवश्य देता है।

विज्ञान का सबसे बड़ा अपमान–संदर्भ हटाकर उद्धृत करना माना जाता है।

रसायन विज्ञान कहता है–

सोडियम (एन ए) एक धातु है।

क्या इसका अर्थ यह है कि उसे पानी में डालकर हाथ धोए जाएँ?

क्लोरीन (सी एल टू) जल शुद्ध करती है।

क्या इसलिए उसे सीधे फेफड़ों में भर लिया जाए?

ऑक्सीजन (ओ टू) जीवन देती है।

तो क्या शुद्ध ऑक्सीजन लगातार लेते रहना भी स्वास्थ्यवर्धक होगा?

नहीं।

क्योंकि विज्ञान केवल सूत्र नहीं, संदर्भ (कॉन्टेक्स्ट) भी पढ़ाता है।

दुर्भाग्य से सोशल मीडिया ने संदर्भों की हत्या कर दी है। अब केवल आधे वाक्य चलते हैं, पूरे विचार नहीं।

अब गाड़ी नहीं, तर्क पीकर चल रहा है

चित्र का दूसरा संवाद और भी रोचक है–

"कोई पीकर गाड़ी नहीं चलाएगा, अब गाड़ी खुद पीकर चलेगी!"

यह हास्य है, लेकिन आधुनिक सभ्यता का दर्पण भी।

आज इंसान अपनी हर गलती तकनीक के हवाले कर देना चाहता है।

पहले कहा जाता था–

"सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।"

अब शायद नया संस्करण आए–

"अपडेट रुका, एक्सीडेंट शुरू।"

लोगों को विश्वास है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उनकी हर मूर्खता का बीमा बन जाएगी।

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

तनवीर जाफरी

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्लविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्व के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ ह्यवैश्विक थानेदारह्व के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे ह्लिली पैडह्व फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970झ80 के दशक में चीन की ह्लभविष्य की महाशक्तिह्व के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990झ2000 के दशकआते आते उसे एक ह्लउदयमान महाशक्तिह्व के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5ऋ, एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने ह्लमेड इन चाइना 2025ह्व जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर ह्यखेलनाह्व चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से ह्यथानेदारह्व जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढीह्व शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही ह्यशंकाओंह्व को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ह्लविकास साझेदारह्व की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, ठअ-ळड, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार-बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्त्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

धर्म के साथ विज्ञान का विकास हुआ होता तो सच में विश्वगुरु होते

वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल ही में भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएं हुई हैं। एक ओर 100 से अधिक वैज्ञानिकों और शोधकताओं ने इसरो से इस्तीफा दे दिया है। अधिकांश ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली है। यह पहली घटना पूरे देश में वैचारिक बहस का विषय बन गई है।

दूसरी ओर शनिवार को भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। कंपनी द्वारा विकसित विक्रम-1 ऑर्बिटल राकेट का सफल प्रक्षेपण हुआ और उसने उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया। इसे आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया। प्रधानमंत्री ने भी इस उपलब्धि की खुलकर प्रशंसा की।

दोनों घटनाएं अलग-अलग होते हुए भी आपस में जुड़ी हुई हैं। जिन वैज्ञानिकों के इसरो छोड़ने की चर्चा आज हो रही है, उसी प्रकार 2018 में इसरो के दो वैज्ञानिक, पवन कुमार चंदाना और नागा भरथ डाका ने भी इसरो छोड़ दिया था। उन्होंने हैदराबाद में स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना की। बाद में इसरो के कई सेवानिवृत्त वैज्ञानिक भी उनसे जुड़ गए। ऐसी खबरें भी सामने आईं कि कई वैज्ञानिक इसरो छोड़कर उनकी कंपनी में शामिल हुए। आज उन्हीं वैज्ञानिकों की कंपनी भारत को यह महत्वपूर्ण उपलब्धि दिला रही है। लेकिन उन्होंने इसरो क्यों छोड़ा या निजी कंपनी क्यों बनाई, इस प्रश्न पर बहुत कम चर्चा होती है।

वास्तविकता यह है कि भाजपा शासन में लगातार कहा जाता है कि पिछले 70 वर्षों में जो नहीं हुआ, वह अब हो रहा है। यह सही है कि पहले इसरो छोड़कर वैज्ञानिक नहीं जाते थे, जबकि आज निजीकरण और नीति गत ठहराव के कारण वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर जा रहे हैं।

आजादी के बाद देश की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने भारत को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी, आईआईएम, इसरो जैसी विश्वस्तरीय संस्थाओं की स्थापना की। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण को राष्ट्रीय विकास का आधार बनाया। वर्तमान सरकार के पिछले पंद्रह वर्षों में वैज्ञानिक सोच कमजोर पड़ती दिखाई देती है और धार्मिक परियोजनाओं तथा मंदिरों के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित हुआ है।

यदि आजादी के बाद के 75 वर्षों की यात्रा पर नजर डालें तो दोनों दौरों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। लेकिन आज की पीढ़ी और समाज इस अंतर को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है या शायद स्वीकार करना ही नहीं चाहता।

नेहरू और मोदी शासन के बीच सबसे बड़ा अंतर सरकार की प्राथमिकताओं में दिखाई देता है। अनेक आलोचकों और समाजशास्त्रियों का मानना है कि वर्तमान समय में देश वैज्ञानिक और बौद्धिक प्रगति की दिशा से हटकर धार्मिक पुनरुत्थान की ओर बढ़ गया है। भाजपा शासन में धार्मिकस्थलों, भव्य मंदिरों और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन मिला है। इसके परिणामस्वरूप बहुसंख्यकवाद मजबूत हुआ है और धार्मिक सहिष्णुता कमजोर हुई है। भीड़ हिंसा, अप्रमाणित धार्मिक दावों को विज्ञान के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति तथा सोशल मीडिया पर बढ़ती नफरत ने सामाजिक तानेबाने को कमजोर किया है।

एक अन्य चिंताजनक विषय यह भी है कि नेहरू द्वारा स्थापित संस्थानों, जैसे आईआईटी, आईआईएम और प्रमुख विश्वविद्यालयों में योग्यता के बजाय वैचारिक निष्ठा के आधार पर नियुक्तियां होने के आरोप लगाए जाते रहे हैं।

पाठ्यपुस्तकों से इतिहास और विज्ञान के अध्याय हटाने के निर्णयों ने वैज्ञानिक समुदाय में चिंता पैदा की है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस में प्राचीन भारतीय विज्ञान के नाम पर अतिशयोक्तिपूर्ण और अप्रमाणित दावे प्रस्तुत किए जाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय वैज्ञानिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

देश ने आजादी का अमृत महोत्सव तो मनाया, लेकिन वास्तविक अर्थों में अमृतकाल दिखाई नहीं देता। शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान की गुणवत्ता में गिरावट महसूस की जा रही है। आंकड़ों और गुणवत्ता दोनों के आधार पर देखें तो नेहरू काल में शून्य से संस्थाओं का निर्माण हुआ, जबकि वर्तमान समय में संख्या बढ़ाने पर अधिक जोर है, गुणवत्ता पर नहीं।

भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 0.6 से 0.7 प्रतिशत ही अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है, जबकि चीन लगभग 2.4 प्रतिशत और अमेरिका लगभग 3.4 प्रतिशत खर्च करते हैं। भाजपा सरकार ने नई आईआईटी और एम्स खोलने की घोषणाएं कीं, लेकिन अधिकांश संस्थाएं आज भी स्थाई ढांचे, पर्याप्त शिक्षकों और आधुनिक प्रयोगशालाओं के अभाव से जूझ रही हैं। नेहरू द्वारा स्थापित पांच आईआईटी जैसी गुणवत्ता नई पंद्रह आईआईटी मिलकर भी नहीं दे पा रही हैं।

सोशल मीडिया पर मर्दाना कमजोरी का बढ़ता बाजार

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल क्रांति ने समाज को अभूतपूर्व सुविधाएँ प्रदान की हैं। आज स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, विशेषज्ञों की सलाह और चिकित्सा सेवाएँ कुछ क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं। लेकिन इसी डिजिटल दुनिया का एक दूसरा चेहरा भी है, जहाँ लोगों की कमजोरियों, आशंकाओं और सामाजिक संकोच को मुनाफे के अवसर में बदल दिया गया है। सोशल मीडिया पर यदि कोई क्षेत्र सबसे तेजी से फैल रहा है, तो वह है मर्दाना कमजोरी के नाम पर चल रहा विज्ञापनों और उत्पादों का विशाल कारोबार। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ऐप्स पर ऐसे विज्ञापनों की बाढ़ है, जो कुछ दिनों में पुरुषत्व बढ़ाने, वैवाहिक जीवन सुधारने या चमत्कारी शक्ति देने का दावा करते हैं।

यह केवल एक व्यावसायिक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान, स्वास्थ्य साक्षरता और डिजिटल नियमन से जुड़ा गंभीर विषय है। यह उद्योग पुरुषों की उस झिझक का लाभ उठाता है, जो उन्हें यौन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुले रूप से चर्चा करने से रोकती है। विज्ञापन पहले भय पैदा करते हैं, फिर उसी भय का समाधान बेचते हैं। यही इस पूरे कारोबार का सबसे बड़ा व्यापारिक मॉडल है।

भारतीय समाज में यौन स्वास्थ्य आज भी खुलकर चर्चा का विषय नहीं बन पाया है। अधिकांश पुरुष ऐसी समस्याओं पर परिवार या चिकित्सक से बात करने में संकोच महसूस करते हैं। इस संकोच का फायदा उठाकर सोशल मीडिया पर स्वयंभू विशेषज्ञ, बिना प्रमाण वाले वैद्य, इन्फ्लुएंसर और कई कंपनियाँ ऐसे उत्पाद बेचती हैं जिनकी प्रभावशीलता के ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं होते। ह्लसात दिन में असरह्व, ह्ल100 प्रतिशत गारंटीह्व, ह्लगुप्त फामूर्लाह्व, ह्लहजारों लोगों ने पाया लाभह्व जैसे दावे आकर्षक लग सकते हैं, लेकिन ये अक्सर वैज्ञानिक चिकित्सा के मानकों पर खरे नहीं उतरते।

इन विज्ञापनों की भाषा भी ध्यान देने योग्य होती है। वे सीधे उत्पाद नहीं बेचते, बल्कि पहले व्यक्ति के आत्मविश्वास पर सवाल उठाते हैं। संदेशों में यह संकेत दिया जाता है कि यदि कोई विशेष उत्पाद नहीं लिया गया, तो वैवाहिक जीवन प्रभावित होगा, सम्मान कम हो जाएगा या पुरुषत्व अधूरा रह जाएगा। इस प्रकार एक सामान्य स्वास्थ्य चिंता को सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान से जोड़ दिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक लोग बिना किसी चिकित्सकीय परामर्श के ऐसे उत्पाद खरीद लेते हैं। सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म इस समस्या को और बढ़ा देते हैं। यदि किसी व्यक्ति ने एक बार ऐसे विज्ञापन को देखा या उस पर क्लिक किया, तो प्लेटफॉर्म उसे बार-बार इसी प्रकार की सामग्री दिखाने लगते हैं।

बदलते हिमालय के बीच बदलनी होगी तीर्थयात्रा की संस्कृति

प्रो. आरके जैन अरिजीत

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बफानीं के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता।

अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है।

सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाजुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है–ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं।

समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले।

ीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए।

तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने।

शुद्ध पेयजल के लिए मर्करी इंटरनेशनल व लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्य हुआ समझौता

लखनऊ।
शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल के क्षेत्र में अनुसंधान व आधुनिक तकनीकों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सोमवार को मर्करी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्य एक समझौता (एमओयू) हुआ।

मर्करी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दुर्गेश राय ने कहा कि उनकी कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधानों के माध्यम से शुद्ध पेयजल के क्षेत्र में कार्य कर रही है। यह तकनीकी सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विभिन्न जनहितकारी पहल संचालित करने का निःशुल्क सहयोग है, जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक का उपयोग कर समाज को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अनुसंधान, नवाचार तथा तकनीकी विकास को बढ़ावा देना एवं जनस्वास्थ्य में सुधार करना है। राय ने बताया कि कंपनी विगत 30 वर्षों से भारतीय मानक ब्यूरो पर कार्य कर रही है और आधुनिक टेक्नोलॉजी हेतु सतत कार्य करती आ रही है। कंपनी भारत सरकार व अन्य राज्य सरकारों के मध्य शुद्ध पेयजल के क्षेत्र में भी कार्य कर रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी ने इस अवसर पर कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के लिए यह अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता का विषय है कि शुद्ध पेयजल जैसे जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर मर्करी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड जैसी एआई आधारित तकनीकी कंपनी के साथ सहयोग स्थापित हुआ है। यह समझौता विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार एवं तकनीकी विकास को नई दिशा प्रदान करेगा तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को आधुनिक तकनीकों पर कार्य करने का अवसर उपलब्ध कराएगा।

कुदारन पहुंचे कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का दिया भरोसा

मीरजापुर।
प्रदेश के प्राविधिक शिक्षामंत्री आशीष पटेल सोमवार को अहरौरा थाना क्षेत्र के कुदारन गांव पहुंचे। यहां 16 जुलाई को ट्रक घर में घुसने से हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले तीन लोगों के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और हरसंभव सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

मृतक राजाराम की पत्नी गीता देवी, घायल सुनील की पत्नी जुली देवी तथा परिवार की पूजा देवी, सोनी देवी और जयकुमार ने मंत्री को बताया कि हादसे के कई दिन बाद भी उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं मिली है। परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। वहीं घायल सुनील शर्मा और सुहानी का वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है, जिससे रोजाना इलाज का खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है।

इस पर कैबिनेट मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर पीड़ित परिवार को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाली सभी सुविधाएं और आर्थिक सहायता पात्र परिवार को दिलाई जाएगी तथा मामले में दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान अरुणेश सिंह, चंदन पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दस्तावेजों के अभाव में अटकी आर्थिक मदद

मृतक परिवार के सदस्य राधेश्याम ने बताया कि अब तक परिवार को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि गांव में ग्राम विकास अधिकारी का पद रिक्त होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र और परिवार रजिस्टर की ऑनलाइन नकल समय पर नहीं बन सकी है। इसी वजह से सरकारी सहायता की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।

शक्तेशगढ़ आश्रम पहुंचे शिवपाल यादव, स्वामी अड़गड़ानंद का लिया आशीर्वाद

मीरजापुर।
समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जसवंतनगर विधायक शिवपाल सिंह यादव सोमवार को चुनार क्षेत्र स्थित शक्तेशगढ़ परमहंस आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने पीठाधीश्वर स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया और सत्संग में शामिल होकर प्रवचन सुना।

आश्रम में स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के प्रवचन के दौरान शिवपाल यादव श्रद्धालुओं के बीच मौजूद रहे। प्रवचन के बाद उन्होंने कहा कि संतों का सान्निध्य मनुष्य के जीवन को सही दिशा देता है। आध्यात्मिक विचार समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इससे पहले शक्तेशगढ़ पहुंचने पर दुगार्जी मोड़ बस स्टैंड पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और जोरदार नारेबाजी के साथ उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोग उनके काफिले के साथ आश्रम तक पहुंचे।

इस अवसर पर पूर्व विधायक जगदंबा सिंह पटेल, प्रदेश सचिव रामराज सिंह पटेल, सपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. सुनील सिंह पटेल, शिवपूजन यादव, नगर अध्यक्ष मंत्री यादव, निजाम भाई, राजेश यादव, संतोष यादव सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन-2027 की रणभेरी: 22 जुलाई को 62 विधानसभा क्षेत्रों में जुटेंगे बूथ अध्यक्ष

गोरखपुर।
भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को संगठनात्मक स्तर पर गति देते हुए 22 जुलाई को गोरखपुर क्षेत्र की सभी 62 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। भाजपा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने इसे "मिशन-2027 की औपचारिक शुरूआत" बताते हुए कहा कि बूथ स्तर का संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और इसी शक्ति के बल पर पार्टी आगामी चुनाव में ऐतिहासिक सफलता का लक्ष्य हासिल करेगी।

रानीडीहा स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए विनोद राय ने बताया कि गोरखपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित होकर बूथ अध्यक्षों को चुनावी मंत्र देंगे तथा मिशन-2027 के लिए संगठनात्मक दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है और विधानसभा वार बूथ अध्यक्ष सम्मेलन इसी अभियान की पहली महत्वपूर्ण कड़ी है। बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ हैं और चुनाव में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। इसी उद्देश्य से सभी बूथ अध्यक्षों को संगठन की रणनीति, जनसंपर्क अभियान और चुनावी जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा।

24,844 बूथ अध्यक्ष होंगे शामिल

विनोद राय ने बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में भाजपा के कुल 24,844 संगठनात्मक बूथ हैं और प्रत्येक बूथ का अध्यक्ष अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सम्मेलन में भाग लेगा।

आरोप : मजदूर को पीटपीट कर मार डाला

फरुर्खाबाद।
उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद में कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र में दबंगो ने पीटपीट कर युवक की हत्या कर दी। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई गई है।
कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बन्धोआ निवासी शैलेश (30) पुत्र सूरज सोमवार को देर रात मजदूरी करके घर वापस लौट रहा था। उसी समय गांव के कुछ लोगो ने उसे पकड़ कर जम कर पिटाई कर दी।
घायल शैलेश को उसके पिता सूरज ने देर रात लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया।
जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नुरुल हुड्डा ने युवक शैलेश पुत्र सूरज को मृत घोषित कर दिया।
मृतक के पिता सूरज ने बताया कि उसके पुत्र के साथ दिनेश उर्फ जंजाली जो कि उसके गांव के ही रहने वाले है, ने पीट-पीट कर हत्या कर दी है। मृतक के पिता ने बताया कि उपरोक्त परिवार से पुरानी रंजिश थी। जिसे सुलह समझौते के तहत खत्म कर दिया था।
पिता सूरज ने बताया कि आज शाम को पुत्र शैलेश घर लौट रहा था । तभी घर के पीछे पकड़ कर उसके साथ जमकर मारपीट की। जिससे उसकी मौत ही गई है। वह मजदूरी कर भरण पोषण करता था।
मृतक शैलेश सहित सात भाई और पांच बहनें हैं। घटना की सूचना पर फतेहगढ़ कोतवाल तेज सिंह लोहिया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना के सम्बंध में परिजनों से पूछ ताछ की। वही पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । कोतवाल तेज सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संपत्ति विवाद में दो बेटों ने माता-पिता की हत्या की

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश में जनपद गाजियाबाद के थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के वीर नगर मोहल्ले में पारिवारिक विवाद में एक दंपति की जान चली गई। पुलिस ने इस मामले में उनके दोनों बेटों को हिरासत में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। घटना सोमवार देर रात करीब दो बजे की है।
डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने मंगलवार को बताया कि डायल- 112 पर मध्य रात्रि को पुलिस को सूचना मिली कि बुजुर्ग पति-पत्नी को उनके बेटों ने बेरहमी से मारापीटा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल पति-पत्नी को उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। उनकी पहचान गंगाशरण (56) और उनकी पत्नी विमलेश (54) के रूप में हुई। उन्होने बताया कि पहले मृतक दंपति के दोनों बेटों दीपक और ललित के बीच में संपत्ति विवाद को लेकर मारपीट हो रही थी।
इस दौरान बीच-बचाव करने आए माता-पिता के साथ भी दोनों मारपीट करने लगे। उन्होने पति- पत्नी को धक्का दे दिया। जिसमें वे सिर के बल गिर गए और उनको गंभीर चोट आई। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। मामले में रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। दोनों बेटों को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है। दोनों बेटे शराब पीने के आदी हैं।

झांसी-कानपुर हाईवे पर यात्री बस पलटी, दो यात्री घायल

उरई।
उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक होटल के पास यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस गोरखपुर से ग्वालियर जा रही थी।
उरई कोतवाल आनंद सिंह ने बताया कि जी के ट्रेवल्स बस में करीब 30 यात्री सवार थे। दुर्घटना में दो यात्री घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं अन्य यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।
उन्होंने बताया कि बस नंबर (एमपी 44 जेई 4999) के बस चालक योगेश ने अचानक ब्रेक लगाए, लेकिन ब्रेक जाम हो जाने से बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और राहगीरों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य चलाकर यात्रियों को बस से बाहर निकाला। बाद में क्रेन की मदद से बस को हटवाकर हाईवे पर यातायात सामान्य कराया गया।

हाथरस : मालगाड़ी की चपेट में आकर युवक की मौत

हाथरस।
उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में सहपाऊ थाना क्षेत्र में मालगाड़ी की चपेट में आकर एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की जा रही है।
जानकारी के अनुसार, सहपऊ क्षेत्र में मंगलवार सुबह जलेसर रोड रेलवे स्टेशन के समीप डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेलवे लाइन पर एक युवक के ट्रेन की चपेट में आने की पुलिस को सूचना मिली।

मेडिकल कॉलेज में नवजात की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

बहराइच।
उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में महाराजा सुहेलदेव स्वायत राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के महिला विंग में भर्ती गर्भवती महिला के नवजात की मौत के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हंगामे जैसी स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय खत्री मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए।
हरदी थाना क्षेत्र के नेपालपुरवा गांव निवासी गर्भवती ज्योति को पति अमित शुक्ला ने रविवार रात करीब 11 बजे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह अल्ट्रासाउंड में नवजात की धड़कन नहीं मिली। आरोप है कि दोपहर में प्रसव पीड़ा बढ़ने पर भी समय से उचित उपचार नहीं दिया गया और पीड़ा बढ़ाने की दवा देने के बाद महिला की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद मृत नवजात का जन्म हुआ।

अमित शुक्ला का आरोप है कि इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पर ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक उनसे उलझ गए और संतोषजनक जवाब नहीं दिया। घटना के बाद उन्होंने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।
मामले में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय खत्री ने मंगलवार को बताया कि एक महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया था और सोमवार सुबह अल्ट्रासाउंड में भ्रूण में कोई हलचल नहीं मिली। प्राथमिक तौर पर आशंका है कि गर्भ में ही नवजात की मौत हो चुकी थी। इसके बावजूद परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच टीम गठित कर दी गई है।
प्राचार्य ने कहा कि जांच रिपोर्ट में यदि किसी स्तर पर चिकित्सकीय लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं नवजात की मौत के बाद पिता अमित शुक्ला मृत बच्चे को गोद में लेकर अस्पताल परिसर में न्याय की मांग करते दिखाई दिए।

मुठभेड़ में 15 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

फिरोजाबाद।
उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के थाना शिकोहाबाद पुलिस व एसओजी टीम ने सोमवार देर रात 15 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया हैं। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) अनुज चौधरी ने मंगलवार को बताया कि जनपद के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में थाना शिकोहाबाद प्रभारी अनुज कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त भूडा नहर पटरी के पास खड़ा हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो मोटरसाइकिल पर एक संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने रोका तो उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्यवाही में संदिग्ध व्यक्ति के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान थाना शिकोहाबाद पर दर्ज गैगंस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त शाहरुख उर्फ सारुख पुत्र यूनुस उर्फ अमीन निवासी बडा हार (कल्हौर) थाना घिरोर जनपद मैनपुरी के रूप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से 01 चोरी की मोटरसाइकिल, 01 अवैध तमंचा, 02 खोखा कारतूस, 02 जिन्दा कारतूस बरामद हुआ है।

एएसपी ने बताया कि घायल अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

वाराणसी : हनुमान मंदिर की मूर्ति को अराजक तत्वों ने किया क्षतिग्रस्त, मौके पर पुलिस बल तैनात

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सारनाथ थाना क्षेत्र के सथवा गांव में हनुमान मंदिर में रखी मूर्ति को अराजक व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मंगलवार की सुबह मंदिर पहुंचे लोगों ने मूर्ति को क्षतिग्रस्त देखकर नाराजगी जाहिर की और सारनाथ थाना को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी सारनाथ विनय द्विवेदी और थाना सारनाथ की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।
एसीपी सारनाथ विनय द्विवेदी ने बताया कि मंगलवार होने के कारण हनुमान जी के दर्शन के लिए आए हुए लोगों ने मूर्ति को क्षतिग्रस्त देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। घटनास्थल पर अभी स्थिति नियंत्रित है। घटना के संबंध में आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। क्षेत्र में शांति एवं कानून -व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर अराजक तत्वों की पहचान के प्रयास में जुट गई है। जल्द ही मूर्ति तोड़ने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों को हिरासत में लिया जाएगा।

नियंत्रित ट्राला बिजली के ट्रांसफार्मर से टकराकर नाले में गिरा, शरीर मे सरिया घुसने से चालक की मौत

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला के पास आज सुबह 6 बजे के करीब एक सरिया से भरा हुआ ट्राला अनियंत्रित होकर बिजली के ट्रांसफार्मर से टकराते हुए नाले में जा गिरा। इस घटना में ट्रोला में लधा हुआ सरिया ट्रोला के केबिन को चीरते हुए ट्रक चालक के शरीर में जा घुसा। इस घटना में चालक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची थाना बादलपुर पुलिस ने करीब 2 घंटे के के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद चालक के शव को बाहर निकाला। इस घटना के चलते छपरौला के पास काफी देर तक यातायात बाधित रहा।

थाना बादलपुर के प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मंगलवार सुबह 6 बजे के करीब पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक सरियों से भरा हुआ ट्रोला जो गाजियाबाद से दादरी की तरफ जा रहा था।

संभवतः चालक को नींद आने के कारण रोड के साइड में लगे हुए बिजली के ट्रांसफार्मर से टकरा गया, तथा नाले में जा गिरा। ट्रोला में लदा हुआ सरिया ट्रोला के केबिन को चीरता हुआ ड्राइवर के शरीर में जा घुसा। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा और अन्य उपकरण की मदद से ट्रक में लदा हुआ सरिया बाहर निकलवाया तथा चालक को बाहर निकला, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। चालक की पहचान आमिर पुत्र मकसूद खान निवासी जनपद बुलंदशहर उम्र 28 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के चलते जीटी रोड पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही।

पश्चिम एशिया तनाव से ब्रेंट क्रुड 90 डॉलर के पार

अमेरिका-ईरान संघर्ष ने बढ़ाई तेल आपूर्ति चिंताएं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें उछल गईं। ब्रेंट क्रूड 90.15 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.52 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार करता दिखा। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका पैदा की है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति और आर्थिक नीतियों पर गंभीर असर पड़ने की चिंताएं गहरा गई हैं। कच्चे तेल में यह करीब 2.3 फीसदी (ब्रेंट) और 2.1 फीसदी (डब्लयूटीआई) की तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तेज करने के कारण आई है। बाजार को डर है कि अगर तनाव और बढ़ा तो वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित होगी, जिससे कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। तेल की कीमतें बढ़ने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ता है, जिससे दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी फेडरल रिजर्व जैसे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए, ऊंची कीमतें आयात बिल बढ़ाएंगी, रुपये पर दबाव डालेंगी और घरेलू पेट्रोल-डीजल समेत अन्य वस्तुओं की महंगाई बढ़ाएंगी।

भारत-स्पेन में डिजिटल भुगतान एकीकरण पर तेजी

निवेश व पेशेवरों की आवाजाही बढ़ाने पर भी जोर

नई दिल्ली ।

भारत और स्पेन ने अपनी डिजिटल भुगतान प्रणालियों, भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और स्पेन के डिजिटल भुगतान मंच 'बिजुम' को एकीकृत करने की दिशा में बातचीत तेज करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वपूर्ण निर्णय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया स्पेन यात्रा के दौरान हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में लिया गया। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और स्पेन के बिजुम डिजिटल भुगतान मंचों को जोड़ने के लिए तकनीकी स्तर पर आगे बातचीत बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने आपसी निवेश को आसान बनाने, पेशेवरों की आवाजाही में सुधार लाने और लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी व्यापक चर्चा की। इस दौरान यूरोप और लैटिन अमेरिका के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का अधिकतम लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया गया। अपनी ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान मंत्री गोयल ने भारतीय जहाज पुनर्चक्रण केंद्रों को सूचीबद्ध करने का मुद्दा भी उठाया। साथ ही, उन्होंने कौशल, शिक्षा और प्रतिभाशाली पेशेवरों की आवाजाही को लेकर भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच एक विशेष संवाद शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ लिस्टिंग को तैयार

निवेशकों को 18 फीसदी तक बंपर मुनाफे की उम्मीद, 21 जुलाई को होगी शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ का अलॉटमेंट पूरा हो चुका है, और अब सभी की नजरें 21 जुलाई को होने वाली इसकी लिस्टिंग पर टिकी हैं। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर जोरदार तेजी दिखा रहे हैं, जिससे निवेशकों को मजबूत लिस्टिंग गेन मिलने की उम्मीद है। 0 जुलाई को आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 103 रुपये रहा, जिसके आधार पर शेयर 574 रुपये के इश्यू प्राइस से करीब 18 फीसदी ऊपर 677 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। इससे एक लॉट पाने वाले निवेशकों को लगभग 2,678 रुपये का लिस्टिंग गेन मिलने का अनुमान है। इस आईपीओ को निवेशकों का शानदार समर्थन मिला था और यह कुल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। मजबूत सब्सक्रिप्शन ने लिस्टिंग को लेकर बाजार में सकारात्मक उम्मीदें बढ़ा दी हैं। करीब 11,693 करोड़ रुपये का यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 6.3 फीसदी और एमंडी इं डिया हो ल्डिंग ने 3.7 फीसदी हिस्सेदारी बेची। भारत की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 16.32 लाख करोड़ रुपये है, को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। जिन निवेशकों ने आवेदन किया था, वे एनएसई की वेबसाइट पर पेन नंबर या आवेदन संख्या दर्ज करके अपना अलॉटमेंट स्टेटस चेक कर सकते हैं।

डेंगू से मिलेगी राहत, भारत को मिला पहला टीका क्यूडेंगा

नई दिल्ली।

देश में डेंगू की रोकथाम को बड़ी मजबूती मिली है। टाकेडा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से डेंगू के टीके 'क्यूडेंगा' के विपणन की मंजूरी मिल गई है। यह भारत में स्वीकृत होने वाला पहला डेंगू-रोधी टीका है। जापान की प्रमुख जैव-औषधि कंपनी टाकेडा की भारतीय इकाई को यह ऐतिहासिक मंजूरी मिली है।

यह टीका 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में डेंगू के संक्रमण को रोकने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसकी एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसे उन लोगों को भी लगाया जा सकता है जिन्हें पहले कभी डेंगू हुआ हो या न हुआ हो, और टीकाकरण से पहले किसी जांच की आवश्यकता नहीं होगी। टाकेडा के अंतरमहाद्वीपीय बाजार के एक अे धिकारी ने इस मंजूरी को भारत में डेंगू की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2022 में बाजार में आने के बाद से क्यूडेंगा को विश्व भर में 43 देशों में स्वीकृति मिल चुकी है और दुनिया भर में इसकी 3.2 करोड़ से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी हैं।

यह भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक सकारात्मक विकास है।

वीआई को कर्ज पर बैंकों की शर्त, प्रमोटर दें गारंटी

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआई) को 35,000 करोड़ रुपये के नए कर्ज की अंतिम मंजूरी मिलने में बाधा आ रही है। सूत्रों के मुताबिक ऋणदाता कंपनी के वित्तीय अनुमानों पर मोटे तौर पर सहमत हैं, लेकिन 5जी नेटवर्क विस्तार और पूंजीगत व्यय के लिए इस बड़ी वित्तीय मदद को हरी झंडी देने से पहले प्रवर्तकों से अतिरिक्त आश्वासन या स्पष्ट प्रतिबद्धता की मांग कर रहे हैं। बैंक चाहते हैं कि प्रवर्तक (या समूह की कंपनियां) गारंटी दें, अतिरिक्त पूंजी डालें या भुगतान में चूक होने पर सहायता करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दें। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की, कंपनी की आय और कर्ज भुगतान के अनुमानों पर हम सहमत हैं, लेकिन जोखिम के प्रति अतिरिक्त आश्वासन जरूरी है। उन्होंने दूरसंचार उद्योग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण राजस्व की अनिश्चितता को भी रेखांकित किया, जिससे अतिरिक्त सहूलियत की मांग बढ़ जाती है। वोडाफोन आइडिया को यह 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज अपने 5जी नेटवर्क के विस्तार सहित अन्य पूंजीगत योजनाओं के लिए चाहिए। कंपनी में प्रवर्तकों की कुल 25.64 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें वोडाफोन समूह (19 फीसदी) और आदित्य बिड़ला समूह (6.63 फीसदी) शामिल हैं। भारत सरकार की लगभग 49 फीसदी हिस्सेदारी है, पर उसे सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 442.93, निफ्टी 95.80 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पश्चिम एशिया में संकट गहराने से भी बाजार नीचे आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 442.93 अंक फिसलकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 11 शेयर गिरे। इस दौरान बैंकिंग शेयर सबसे अधिक टूटे। एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये। वहीं दिग्गज कंपनी मारुति, कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर भी गिरे। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 532 अंक से अधिक टूटकर 77,619 के स्तर पर आ गया, वहीं निफ्टी 142 अंकों की गिरावट के साथ 24,191 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में यह गिरावट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आई है, जहां निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे, जो बाजार में समग्र दबाव को दर्शाता है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय सेवाओं और बैंकिंग क्षेत्र पर व्यापक दबाव बना।

संरचनात्मक सुधारों से भारत 9 फीसदी वृद्धि दर हासिल कर सकता हैः सुब्रमण्यम

पूर्व सीईए ने कारोबार व वित्तपोषण लागत घटाने भूमि, पूंजी, न्यायिक व नौकरशाही सुधारों पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने कहा है कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उनके अनुसार, वृहद आर्थिक स्थिरता ने 7 फीसदी वृद्धि तक पहुंचाया है, जबकि संस्थागत सुधार 9 फीसदी तक ले जा सकते हैं। सुब्रमण्यम ने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों को लागू करने की वकालत की। उनका मानना हैकि 8 फीसदी से अधिक वृद्धि के लिए निजी निवेश का जीडीपी में हिस्सा 30 फीसदी से अधिक होना चाहिए, जो वर्तमान में लगभग 22-23 फीसदी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया है और बैंकिंग प्रणाली भी एनपीए के निचले स्तर पर होने के कारण मजबूत स्थिति में है। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की बात कही। कृत्रिम मेधा (एआई) पर, सुब्रमण्यम ने सुझाव दिया कि भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण और सार्वजनिक प्रशासन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए, ताकि उत्पादकता वृद्धि सुनिश्चित हो सके। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक सख्ती को एक कारण बताते हुए, उन्होंने जोर दिया कि घरेलू कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं। गौरतलब है कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

बॉन्ड बाजार की नरमी का लाभ उठाने से चूके बैंक, पहली आय पर दबाव

मजबूत ऋण मांग और उच्च आधार प्रभाव ने ट्रेजरी मुनाफे को किया प्रभावित

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में बॉन्ड यील्ड में नरमी के बावजूद, भारतीय बैंकों की ट्रेजरी आय में उम्मीद के मुताबिक बढ़ोतरी नहीं हुई, बल्कि कई बैंकों ने सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की। बैंकरों के मुताबिक, उच्च आधार प्रभाव और ऋण वृद्धि हेतु सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री ने मुनाफे को सीमित किया। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में दर्ज अप्रत्याशित ट्रेजरी लाभ के कारण इस बार आय कम दिखी। इसके अलावा ऋणदाताओं ने तिमाही के दौरान ऋण वृद्धि को गति देने के लिए अपनी अतिरिक्त सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) होल्डिंग्स को कम कर दिया।

इससे नरम यील्ड से लाभ उठाने की उनकी क्षमता सीमित हो गई, क्योंकि यील्ड में बड़ी गिरावट आने से पहले ही उन्होंने अपनी प्रतिभूतियां बेच दी थीं। एक ट्रेजरी प्रमुख ने बताया, मजबूत ऋण वृद्धि के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की भारी बिक्री के कारण अधिकांश बैंक इसका लाभ उठाने में असमर्थ रहे। अप्रैल-जून तिमाही में 10-वर्षीय बेंचमार्क सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट आई। हालांकि, बैंकों की ऋण वृद्धि जून के अंत तक दो साल के उच्चतम स्तर 19.6 प्रतिशत पर पहुंच गई । बकि जमा वृद्धि 13.3 प्रतिशत रही। परिणामस्वरूप, आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक जैसे प्रमुख निजी बैंकों की ट्रेजरी आय में क्रमशः 87.8 और 62 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज हुई।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है। यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्रिरस कैपिटल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्साहजनक रही वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही

मुनाफा और आय में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनी जगत के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों का मौसम बेहद उत्साहजनक रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने शुद्ध मुनाफे और आय दोनों में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बैंक, तेल एवं गैस, खनन तथा धातु क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन के कारण हुई, जबकि रुपये की नरमी से आईटी कंपनियों के मुनाफे को भी बल मिला है। अभी तक नतीजे जारी करने वाली 156 कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले 11 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 11 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 6.8 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 1.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में इन कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री या आय 17.6 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली 14 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 4.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 9.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.40 पर बंद हुआ। रुपया शुरुआत कारोबार में 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट गहराने के मद्देनजर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी का भी भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 96.53 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट है। वहीं रुपया शुक्रवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.54 पर रहा।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्रिरस कैपिटल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। अनंत राज ने हरियाणा में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है, जबकि माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट नवी मुंबई में प्रिंसटन डिजिटल ग्रुप के साथ 10 लाख वर्ग फुट से अधिक का डेटा सेंटर विकसित कर रही है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

धीमी अर्थव्यवस्था का दबाव बरकरार

नई दिल्ली ।

चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) ने जुलाई 2026 में अपनी प्रमुख लोन ब्याज दरों (एलपीआर) को लगातार 14वीं बार अपरिवर्तित रखा है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश की अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें धीमी वृद्धि और रियल एस्टेट सेक्टर पर गहरा दबाव शामिल है। बैंक ने एक साल की लोन प्राइम रेट (एलपीआर) को 3.0 फीसदी और पांच साल की एलपीआर को 3.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। चीन की अर्थव्यवस्था दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) में 2022 की चौथी तिमाही के बाद सबसे कमजोर वृद्धि दर दर्ज कर चुकी है, वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर दिखाई दे रहा है। कमजोर घरेलू मांग के बावजूद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े उत्पादों की मजबूत निर्यात मांग ने अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सहारा दिया है। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं उपभोक्ता और थोक महंगाई पर दबाव बनाए हुए हैं, जिससे केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती करना मुश्किल हो गया है।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है।

यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

रोहित नंबर 1, गिल-मिचेल मार्श 5वें स्थान पर

- वनडे में साल 2023 से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने साल 2023 ले लेकर अब तक कुल 51 पारियां वनडे क्रिकेट में खेले हैं जिसमें उन्होंने 2303 रन बनाए हैं और इसमें उनके बल्ले से 246 छक्के और 108 छक्के निकले हैं। 51 पारियों में 108 छक्के लगाकर वो साल 2023 से अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के टॉप-5 बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। इन 51 पारियों में रोहित ने 4 शतक और 16 अर्धशतक भी लगाए हैं।

साल 2023 से लेकर अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुहम्मद वसीम हैं जिन्होंने 46 पारियों में कुल 68 छक्के लगाए हैं जबकि तीसरे नंबर पर मौजूद डेरिल मिचेल ने भी 46 पारियों में कुल 65 सिक्स जड़े हैं।

चयनकर्ताओं पर भड़का दिग्गज, कोहली को भी दे डाली चेतावनी

'रोहित-विराट को सम्मान मिलना चाहिए'

नई दिल्ली। रोहित शर्मा को वनडे वर्ल्ड कप 2027 के प्लान में नहीं शामिल करने वाली रिपोर्ट पर भारतीय दिग्गज रविचंद्रन अश्विन का गुस्सा फूटा है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि अगर आप रोहित को वर्ल्ड कप के प्लान नें नहीं देख रहे थे तो फैसला पहले लेना चाहिए था। अब 12-15 महीने जब वर्ल्ड कप में बचे हैं तो यह फैसला सही नहीं है। साथ ही अश्विन ने विराट कोहली को भी चेतावनी दी है।

रोहित शर्मा के आखिरी इंटरनेशनल मैच की अटकलें लगने लगी हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के बाद खेल जगत में हलचल मच गई है। ज्यादातर लोग इस फैसले की रिपोर्ट से हैरान हैं। सभी ने रोहित शर्मा के समर्थन में कहा है कि वह फिट हैं और उनका फॉर्म भी खराब नहीं है। आंकड़े भी रोहित के पक्ष में ही हैं। वर्ल्ड कप 2023 के बाद से वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इन्हीं सब बातों को देखते हुए यह खबर किसी को पच नहीं रही है।

विराट कोहली को क्यों अश्विन ने चेताया?

पूर्व स्पिनर ने आगे विराट कोहली पर भी बात की और कहा, 'रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। रोहित भी ठीकठाक खेल रहे थे। फिर हमने ऐसा करने के लिए अगस्त 2026 तक आने का इंतजार क्यों किया, जब विश्व कप में सिर्फ 10-12-15 महीने बाकी हैं। आपने इस मामले को यहां तक क्यों खींचा, यह मेरा सवाल है? जिस तरह से यह चल रहा है विराट को भी अपने टॉप फॉर्म में रहना होगा। वरना पता नहीं क्या हो जाएगा। रोहित भी खराब फॉर्म में नहीं हैं। '

रविचंद्रन अश्विन ने क्या कहा?

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सबसे पहले कहा, 'यशस्वी जायसवाल को आपको मौका देना है, ठीक है, मगर बतौर कोच, सेलेक्टर और कप्तान यह फैसला किसका होगा? अगर आपने पहले ही अपने दिमाग में बिठा लिया है कि यह खिलाड़ी आप 2027 वर्ल्ड कप में नहीं ले जाएंगे और आपको उनकी जरूरत नहीं है, तो इसको चैंपियंस ट्रॉफी के बाद ही उन्हें बताना चाहिए था। मुझे पता है कि यह दो धारी तलवार की तरह है।' अश्विन ने आगे कहा, 'वहीं अगर आप खिलाड़ियों से जाकर यह कहेंगे कि आप अब उनसे आगे बढ़कर देखना चाहते हैं तो यह किसी भी खिलाड़ी को अच्छा नहीं लगेगा। अगर मेरे साथ भी ऑस्ट्रेलिया में कोच या चयनकर्ताओं ने ऐसा किया होता तो मुझे भी बुरा लगता।

चैंपियन टीम को पहली बार मिलेगी इतनी मोटी रकम

8395 करोड़ की इनामी राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कई ऐसे रिकॉर्ड बने जो पहली बार देखने को मिले। वहीं पहली बार टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 48 टीमे खेलीं, सबसे ज्यादा मैच हुए और सबसे लंबा फीफा वर्ल्ड कप भी यही रहा। इस टूर्नामेंट के लिए प्राइज मनी भी ऐतिहासिक है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के इतिहास की सबसे बड़ी प्राइज मनी का इस बार ऐलान किया गया है। इस बार टूर्नामेंट के लिए कुल 871 मिलियन डॉलर (करीब 8,395.65 करोड़ भारतीय रुपये) का रिकॉर्ड पुरस्कार पूल रखा गया है।

इस बार फीफा विश्व कप 2026 की प्राइज मनी कुल 871 मिलियन डॉलर की राशि में से 703 मिलियन डॉलर (करीब 6775.8 करोड़ भारतीय रुपये) प्रदर्शन के आधार पर बांटे जाएंगे। वहीं 168 मिलियन डॉलर (करीब 1619.2 करोड़ रुपये) सभी क्वालिफाई करने वाली टीमों को भागीदारी शुल्क और तैयारी करने के अनुदान के रूप में मिलेंगे। पिछले संस्करण की बात करें तो विजेता टीम को 348 करोड़ भारतीय रुपये (42 मिलियन डॉलर) मिले थे। रनर अप को 248 करोड़ की राशि दी गई थी। जबकि टूर्नामेंट में शामिल 32 टीमों में कुल 3600 करोड़ रुपए से ज्यादा की इनामी राशि बांटी गई थी।

इस बार फीफा वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करने वाली हर टीम को करीब 12.5 मिलियन डॉलर (करीब 120.4 करोड़ रुपये) की राशि मिलेगी। वहीं फीफा द्वारा यह ऐलान भी किया गया है कि इस बार विजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को एक खास गोल्डन रिंग भी दी जाएगी।

2026 की प्राइज मनी

- **चैंपियन टीम :** 51 मिलियन डॉलर (490 करोड़ भारतीय रुपये)
- **रनर अप :** 33 मिलियन डॉलर (317 करोड़ भारतीय रुपये)
- **तीसरे स्थान :** 29 मिलियन डॉलर (279 करोड़ भारतीय रुपये)
- **चौथे स्थान :** 27 मिलियन डॉलर (259 करोड़ भारतीय रुपये)
- **5वें-8वें स्थान :** 182 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **9वें-16वें स्थान :** 144 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **17वें-32वें स्थान :** 105 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **33वें-48वें स्थान :** 86 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होगा फाइनल

दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। इंग्लैंड ने पहले हाफ में बढ़त बनाई थी, लेकिन दूसरे हाफ में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में लाउतारो मार्टिनेज ने विजयी गोल कर अर्जेंटीना को फाइनल का टिकट दिला दिया। इस हार के साथ इंग्लैंड का 1966 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया। वहीं स्पेन ने फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। 2010 में विश्व कप जीतने के बाद यह पहला मौका है जब स्पेन की टीम विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

28314 रन, 1043 विकेट

नहीं रहे महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स

बर्थडे से 11 दिन पहले ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (एजेंसी) वेस्टइंडीज ही नहीं क्रिकेट जगत के महान ऑलराउंडर गैरफील्ड सोबर्स का शुक्रवार 17 जुलाई को निधन हो गया। 89 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसी महीने 28 जुलाई को वह 90 साल के पूरे हो जाते। मगर अब क्रिकेट इतिहास का यह अनोखा सितारा दुनिया को अलविदा कह गया। सर गैरी सोबर्स के नाम रेड बॉल क्रिकेट में 28 हजार से ज्यादा रन और 1043 विकेट दर्ज हैं। उनके बेटे डैनियल सोबर्स ने इस खबर की पुष्टि की।

गैरी सोबर्स का नाम क्रिकेट जगत के महान

ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 28314 रन बनाए हैं जिसमें से 8032 रन 160 पारियों में उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए बनाए। वहीं गेंदबाजी में उनके नाम रेड बॉल क्रिकेट में 1043 विकेट दर्ज हैं और वेस्टइंडीज के लिए भी उन्होंने 159 पारियों में 235 विकेट झटके थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा भी गैरी सोबर्स के निधन पर दुख जताया गया है। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए शोक व्यक्त किया और खास मैसेज भी लिखा। बीसीसीआई ने लिखा, 'बीसीसीआई सर गैरफील्ड सोबर्स के निधन पर शोक जताता है। वह खेल के एक रियल आइकन थे और क्रिकेट जगत के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर थे। उनकी उपलब्धियां कैरेबियन क्रिकेट के लिए हमेशा यादों का हिस्सा रहेंगी। उनके परिवार, दोस्तों और सभी खेल प्रेमियों के लिए सांत्वना।'

तीसरे वनडे से पहले भारत को झटका

- मैच विनर खिलाड़ी बाहर आज राहुल-इशान दोनों को मिल सकता मौका!

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दूसरे वनडे मैच में टीम इंडिया के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल हो गए थे। बल्लेबाजी के दौरान ही उनके पैर में दिक्कत थी और उपचार के तुरंत बाद अगली ही गेंद पर वह आउट भी हो गए थे। इसके बाद ना वह फील्डिंग करने उतरे और एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। अब तीसरे वनडे से पहले उनके बाहर होने की जानकारी सामने आ रही है। वाशिंगटन सुंदर को लेकर क्रिकइंफो ने रिपोर्ट दी है कि भारतीय ऑलराउंडर तीसरे वनडे से बाहर हो सकता है। सुंदर के बाहर होने पर कुलदीप यादव को टीम में एंट्री मिल सकती है।

सुंदर ने पहले मैच में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी और छक्का लगाते हुए भारत को जीत तक पहुंचाया था। ऐसे में उनका बाहर होना तीसरे व निर्णायक मैच से पहले टीम इंडिया के लिए एक झटका हो सकता है।

वाशिंगटन सुंदर के बाहर होने से क्यों बढ़ेगी परेशानी?

दरअसल वाशिंगटन सुंदर ने पहले वनडे में मैच विनिंग अर्धशतकीय पारी खेलते हुए इस बात की उम्मीद फैंस व टीम को दे दी थी कि वह निचले क्रम पर अहम मैच विनिंग पारी बल्ले से खेल सकते हैं। वहीं अक्षर, सुंदर और दुबे तीनों मिलकर 20 ओवर गेंदबाजी का भी कोटा पूरा कर सकते हैं। ऐसे में अब भारत के लिए समस्या यह है कि अगर सुंदर की जगह कुलदीप को मौका मिलता है तब भारत का एक बल्लेबाज कम हो जाएगा। ऐसे में उन्हें एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज अतिरिक्त खिलाना पड़ सकता है। ऐसा करने पर टीम में पांच स्पेशलिस्ट गेंदबाज ही रहे जाएंगे।

तीसरे ODI का बदलेगा समय

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का अंतिम और निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। इस मुकाबले में फैंस के मन में अब नई उत्सुकता होगी अपने पसंदीदा स्टार रोहित शर्मा को देखने की। आपको बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच कार्डिफ में खेला गया दूसरा वनडे मैच भारतीय समयानुसार शाम 5.30 बजे शुरू हुआ था। इस मुकाबले का टॉस शाम 5 बजे हुआ था। जबकि पहला वनडे मैच बर्मिंघम में दोपहर 3.30 बजे से खेला गया था। अब तीसरे वनडे मुकाबले का समय भी बदल चुका है। तीसरा वनडे मैच भी पहले वनडे के समय पर ही खेला जाएगा। अटकलें ऐसी हैं कि रोहित का यह आखिरी मैच भी हो सकता है।

कितने बजे शुरू होगा लॉर्ड्स वनडे?

लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। इस मैच का टॉस दोपहर 3 बजे होगा। सीरीज का यह मुकाबला निर्णायक भी होने वाला है। पहला मैच भारत ने जीता था और दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने जीतते हुए सीरीज को 1-1 की बराबरी पर ला दिया था। अब लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला सीरीज का डिसाइडर मैच होगा।

लॉर्ड्स में कितने बजे शुरू होगा मुकाबला?

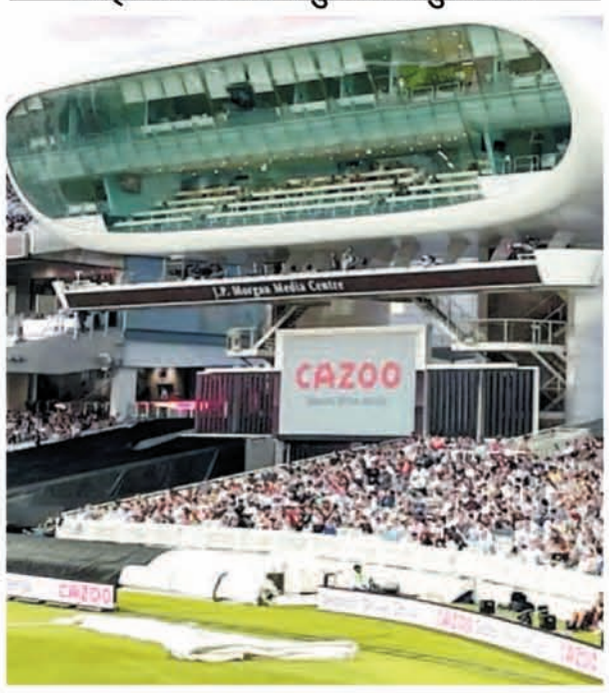

'सिर पर तलवार लटकी हो तो कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा'

रोहित को सपोर्ट करते हुए भारतीय खिलाड़ी सदागोपन रमेश ने सेलेक्टर्स को लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश ने रोहित शर्मा की रिटायरमेंट की खबरों के बीच भारतीय सेलेक्टर्स को जमकर लताड़ा है। रोहित शर्मा का बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में नहीं चला और कहा जा रहा है कि लॉर्ड्स वनडे उनके करियर का आखिरी मैच साबित हो सकता है। रोहित शर्मा को लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए पूर्व क्रिकेटर रमेश ने कहा कि अगर हर मैच के साथ आपके सिर पर तलवार लटकी हो तो कोई भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। क्या सेलेक्टर और कोच इस बात को मानेंगे कि उनकी भूमिका हर सीरीज जीतने पर ही टिकी हो, नहीं इसीलिए उन्हें सीधे दो या तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है। इसलिए जब दिग्गजों की बात हो तो सिर्फ एक या दो मैचों के आधार पर कोई फैसला लेना गलत है।

रोहित शर्मा पर है दवाब

रमेश ने आगे कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि टीम मैनेजमेंट को सुपरस्टार्स से क्या दिक्कत है। कोई भी रातों-रात सुपरस्टार नहीं बनता। सुपरस्टार वही बनते हैं जो लगातार 15 सालों तक अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसलिए उन्हें उचित सम्मान और वैसा ही बर्ताव मिलना चाहिए।

साउथ अफ्रीका में रोहित की होगी जरूरत

सदागोपन रमेश ने आगे कहा कि अगला वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में हो रहा है जहां पिच पर उछाल (बाउंस) होगा। ऐसे में रोहित का चयन फायदेमंद ही साबित होगा क्योंकि उछाल वाली गेंदों को खेलने में वे माहिर हैं। अगर भारत रोहित के बिना वर्ल्ड कप खेलता है तो यह न सिर्फ उनके लिए बल्कि टीम इंडिया के लिए भी नुकसानदेह होगा।

रोहित को रिटायर होने के बाद मिलेंगे इतने हजार रुपये प्रति माह!

जानिए क्या है BCCI की सालाना पेंशन स्लैब

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान व स्टार ओपनर रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही रिटायर हो चुके हैं। वो भारत के लिए अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा वनडे उनके करियर का आखिरी मैच हो सकता है। हालांकि ये रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस मैच के बाद रिटायर होंगे या नहीं, लेकिन अगर वो रिटायर हो जाते हैं तो उन्हें बीसीसीआई की तरफ से पेंशन के रूप में हर महीने कितने रूपये मिलेंगे ये जानते हैं।

रोहित को मिलेंगे 70 हजार रुपये प्रति माह- बीसीसीआई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों को पेंशन देता है और उसके लिए जो स्लैब फिलहाल है उसके मुताबिक जिन पुरुष क्रिकेटर्स ने 25 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं उन्हें 70 हजार रुपये प्रति महीने दिए जाते हैं।

सचिन-गांगुली टॉप पर, रोहित-विराट नंबर सिक्स

- वनडे में सबसे ज्यादा 50+ साझेदारी करने वाले शीर्ष 6 बल्लेबाजों की जोड़ी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में रोहित शर्मा बड़ा स्कोर तो नहीं कर पाए थे, लेकिन विराट कोहली अर्धशतकीय पारी खेलने में सफल रहे थे। इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए भारत के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की थी और वनडे प्रारूप में दोनों के बीच ये 38वीं 50 प्लस साझेदारी थी। इस साझेदारी के बाद रोहित और कोहली वनडे में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस रन की अर्धशतकीय साझेदारी करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में सातवें नंबर पर आ गए।

रोहित-कोहली के बीच हुई 38वीं बार 50 प्लस रन की साझेदारी- रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 26 रन की पारी खेली जबकि विराट कोहली ने 65 रन बनाए। इस मुकाबले में शुभमन गिल जब 31 रन बनाकर आउट हो गए तब तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए कोहली और ओपन कर रहे रोहित शर्मा के बीच दूसरे विकेट के लिए लॉर्ड्स में 61 गेंदों पर 60 रन की अच्छी पार्टनरशिप हुई। इसके बाद रोहित शर्मा आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई।

जानकारी

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायदे

ओमेगा 3 फैटी एसिड पोलीअनसैच्यूरेटेड फैटी एसिड का एक समूह है, जो हमारे शरीर की गतिविधियों के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड प्राकृतिक रूप से सैल्मन, टूना और ट्रॉट जैसे सीफूड में पाया जाता है। एक और तरीके का ओमेगा 3 भी होता है, जिसे एएलए कहते हैं, जो कि कुछ सब्जियों, सोया और सफेद सरसों के तेल में पाया जाता है। ओमेगा 3 का सेवन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा शरीर खुद से इसे नहीं बना सकता जैसा कि अन्य फैट्स करते हैं। पीले रंग की इस गोलियों का सेवन आपको रोजाना करना चाहिए। इन पीली गोलियों के रोजाना सेवन से आप इन 4 रोगों से दूर रह सकते हैं।

अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

अवसाद और चिंता वर्तमान में सबसे आम मानसिक बीमारियों में से हैं। अवसाद के लक्षणों में उदासी, आलस्य और किसी काम में मन न लगना जैसी चीजें शामिल हैं। जबकि चिंता में निरंतर घबराहट जैसी समस्या रहती है। हैरानी की बात ये कि कई अध्ययनों से यह संकेत मिले हैं कि जो लोग रोजाना ओमेगा 3 का सेवन करते हैं, उनके अवसादग्रस्त या चिंतित होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके साथ ही अवसाद और चिंता से पीड़ित लोगों ने ओमेगा 3 का रोजाना सेवन करने के बाद अपने लक्षणों में सुधार की बात भी कही है।

आपको आंखों को तेज बनाने का काम करता है ओमेगा 3

जब आपको पर्याप्त डीएचए नहीं मिला पाता तब आपको देखने की समस्या होने लगती है। डीएचए भी एक प्रकार का ओमेगा-3 है। नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन मैक्यूलर डिजेनेरेशन के जोखिम को कम करता है। इस रोग के कारण कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से आंखों की रोशनी खो सकता है।

ऑटोइम्युन डिजिज से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

ऑटोइम्युन डिजिज में आपका इम्युन सिस्टम आपके हेल्दी सेल्स को बाहरी सेल्स मानकर उनपर हमला कर देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आपके पैंक्रियाज में इंसुलिन पैदा करने वाले सेल्प पर भी आपका इम्युन सिस्टम हमला करता है, जिसका कारण आप टाइप-1 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं।

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालंपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लूए1बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मच्छरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालंपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबीबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्ककर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

सेहत

कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से हो सकता है ब्रेन डैमेज

नहाने के बाद कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से ब्रेन डैमेज हो सकता है। जानें कान से पानी निकालने का सुरक्षित और आसान तरीका क्या है?

नहाने या स्विमिंग करने के बाद कान में भरे पानी को निकालने के लिए अक्सर लोग सिर को तेजी से झटका देते हैं। मगर हाल में हुई एक रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने लोगों को आगाह किया है कि ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है। दरअसल नया शोध बताता है कि कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। ये रिसर्च वर्जीनिया की Cornell University द्वारा की गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार सिर को झटका देने से ब्रेन के डैमेज होने का खतरा बच्चों में ज्यादा होता है।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने किया है शोध

भारतीय मूल के शोधकर्ता और इस रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक अनुज बस्कोटा कहते हैं कि हमारी रिसर्च मुख्य रूप से इस बात पर आधारित थी कि कान से पानी निकालने के लिए कितना झटका देना सही है। उन्होंने ये रिसर्च पेपर सीएटल शहर में पिछले सप्ताह अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की Division of Fluid Dynamics की सालाना मीटिंग के दौरान प्रस्तुत किए थे। अनुज ने आगे बताया कि शोध में हमने ग्लास ट्यूब और थ्री-डी प्रिंटेड ईयर कैनाल का इस्तेमाल कर पता लगाया कि छोटे बच्चों के कान के लिए ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण) के बल से 10 गुना तेज बल खतरनाक हो सकता है। इससे उनके मस्तिष्क को नुकसान भी पहुंच सकता है।

क्यों जाकर रुक जाता है कान में पानी?

जब आप नहाते हैं या स्विमिंग करते हैं, तो आपके कान में पानी का जाना स्वाभाविक है। मगर कान का आकार पाइप जैसा होता है और इसकी बनावट भी ऐसी होती है कि पानी बहुत अंदर तक नहीं जाता है। जो थोड़ी बहुत मात्रा में पानी जाता भी है, तो वो अपने आप बाहर आ जाता है। मगर कई बार कान में पानी जाने के बाद अपने आप न निकलने के कारण ऐसा महसूस होता है कि पानी की एक पर्त कान में जमा हो गई है। शोधकर्ताओं ने शोध के दौरान पाया कि पानी का पृष्ठ तनाव ज्यादा होता है, इसलिए ये कान में जाकर फंस जाता है।

बच्चों को होता है ज्यादा खतरा

मस्तिष्क के डैमेज होने का खतरा आमतौर पर छोटे बच्चों में ज्यादा होता है, क्योंकि उनके कान का ट्यूब काफी छोटा होता है, जिसके कारण पानी को बाहर निकालने के लिए ज्यादा तेज झटके की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने कान में फंसे हुए पानी को निकालने के कुछ आसान तरीके भी बताए हैं।

पानी निकालने का सुरक्षित तरीका

शोधकर्ताओं ने बताया कि सिर को तेजी से झटका देने से बेहतर है कि आप कान में भरे पानी को निकालने के लिए कुछ अन्य उपाय अपनाएं। पानी से कम पृष्ठ तनाव वाले अन्य लिक्विड जैसे- एल्कोहल या सिरका डालने से कान में भरा पानी अपने आप बाहर आ जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3954

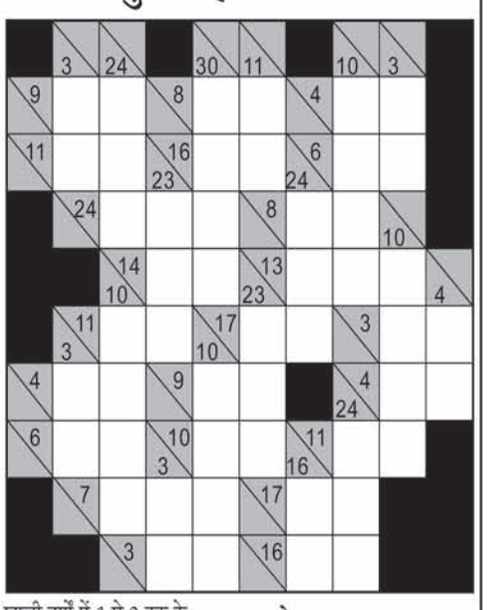

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

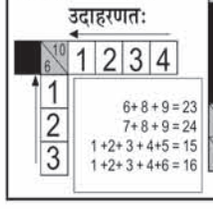

काकुरो - 3953 का हल

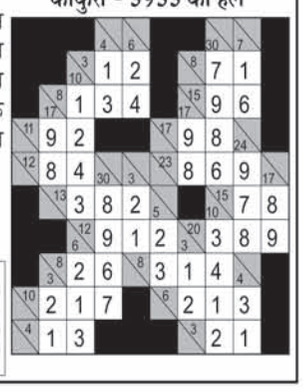

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3954

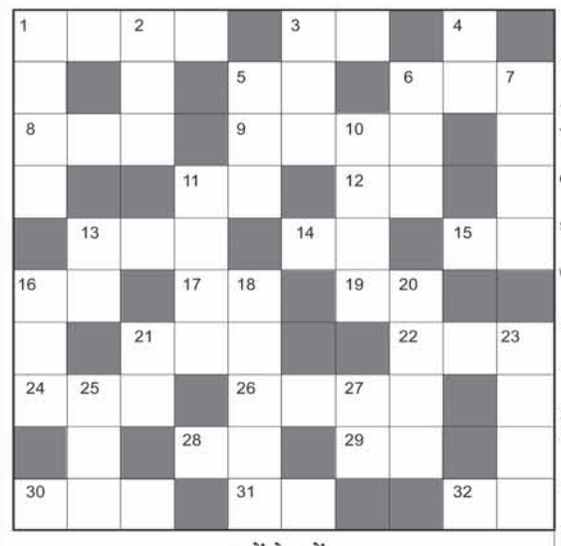

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3953

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	ह		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	मी		म		रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -3954

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3953 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3954

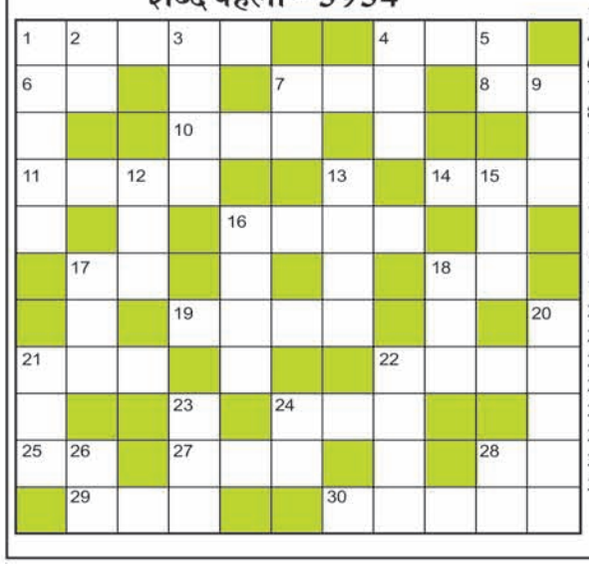

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3953 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		रू		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फों		ल	
न	ज	र	थ	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		ध		प
श	री	र		ज	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
ल	क्ष	शि	ला		र	ह	क	र	ना	

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी